आर.एन.आई. नबंर – MPHIN/2014/56594

!! श्रीकृष्ण शरणंममः !!

वर्ष-11 । अंक 119 । मूल्य - 2 रुपए । पृष्ठ-08 । नगर संस्करण

इंदौर, रायपुर व भोपाल से एक साथ प्रकाशित

दैनिक आदित्य भारत

सदैव सत्य के साथ...

इंदौर, रविवार, 04 मई, 2025

आयात-निर्यात बंद, डाक सेवाएं निलंबित

बंदरगाहों पर पाकिस्तानी झंडे वाले जहाजों के प्रवेश प्रतिबंध

एजेंसी ● नई दिल्ली

भारत ने शनिवार को पाकिस्तान से सभी डाक सेवाएं निलंबित कर दीं और भारतीय बंदरगाहों पर पाकिस्तानी झंडे वाले जहाजों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया। पाकिस्तान से आयात और निर्यात पर भी रोक लगा दी गई है। यह कदम पहलगाम आतंकी हमले से सीमा पार संबंधों के मद्देनजर इस्लामाबाद के खिलाफ नए दंडात्मक कदम के तौर पर उठाया गया है। अधिकारियों ने बताया कि प्रतिबंध तत्काल प्रभाव से लागू कर दिए गए हैं। पहलगाम में हुए घातक आतंकी हमले के बाद दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव के बीच नई दिल्ली ने यह कदम उठाया है।

भारत के वाणिज्य मंत्रालय ने पाकिस्तान से सभी वस्तुओं के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष आयात पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया है। जारी अधिसूचना में कहा गया है कि विदेश व्यापार नीति (एफटीपी) 2023 में इस संबंध में एक प्रावधान जोड़ा गया है। साथ ही अगले आदेश तक तत्काल प्रभाव से पाकिस्तान से आने वाले या निर्यात किए जाने वाले सभी सामानों के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष आयात या निर्यात पर प्रतिबंध लगाया जाता है।

नौवहन महानिदेशालय (डीजीएस) ने एक अलग अधिसूचना में, डीजीएस ने मर्चेंट शिपिंग एक्ट की धारा 411 के तहत शक्ति का प्रयोग करते हुए पाकिस्तानी जहाजों को भारतीय बंदरगाहों में प्रवेश करने पर प्रतिबंध लगा दिया। आदेश में कहा गया है, "पाकिस्तान के झंडे वाले जहाज को किसी भी भारतीय बंदरगाह पर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। भारतीय झंडे वाला जहाज पाकिस्तान के किसी भी बंदरगाह पर नहीं जाएगा। डीजीएस ने कहा कि यह आदेश भारतीय संपत्तियों, कार्गो और जुड़े हुए बुनियादी ढांचे की सुरक्षा* सुनिश्चित करने के लिए जारी किया गया है और इस आदेश से किसी भी छूट या छूट की जांच की जाएगी और मामले-दर-मामला निर्णय लिया जाएगा*।

भारतीय संचार मंत्रालय के तहत काम करने वाले डाक विभाग द्वारा जारी आदेश में कहा गया है, "भारत सरकार ने हवाई और सतही मार्गों के जरिए पाकिस्तान से आने वाले सभी श्रेणियों के मेल और पार्सल के आदान-प्रदान को निलंबित करने का फैसला किया है।*

आईएमएफ में घेरेगा भारत

भारत ने कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद वैश्विक कर्जदाताओं को इस्लामाबाद के वित्तीय सहायता कार्यक्रम की समीक्षा करनी चाहिए। आईएमएफ सहित वैश्विक बहुपक्षीय एजेंसियों से पाकिस्तान को दिए गए धन और कर्ज पर पुनर्विचार करने की अपील के बाद कर्जखोर पाकिस्तान की चीख ही निकल गई। नौ मई को आईएमएफ की पाकिस्तान को 7 बिलियन डॉलर कर्ज के लिए महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक होने वाली है। पाकिस्तान ने भारत की इस घोषणा को 'राजनीति से प्रेरित' बताया है।

'आतंकवादियों और उनके समर्थकों पर निर्णायक कार्रवाई करेगा भारत'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को एक बार फिर कहा कि भारत आतंकवाद और इसका समर्थन करने वालों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है। अंगोला के राष्ट्रपति जोआओ मैनुअल गोंकाल्वेस लौरेंको के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, "आतंकवाद के खिलाफ हम पूरी तरह एकजुट हैं। मैं पहलगाम आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों के प्रति सहानुभूति जताने के लिए राष्ट्रपति लौरेंको और अंगोला के लोगों के प्रति आभार व्यक्त करता हूं।" प्रधानमंत्री ने कहा, "हम आतंकवादियों और उनका समर्थन करने वालों के खिलाफ दृढ़ और निर्णायक कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में अंगोला के समर्थन के लिए उसे धन्यवाद देते हैं।"

गैंगरेप केस में सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

केवल एक व्यक्ति को बलात्कार का कृत्य करने पर भी सभी गैंगरेप के लिए दोषी होंगे

एजेंसी ● नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने गैंगरेप के एक मामले में ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए कहा है कि यदि साझा इरादा (कॉमन इंटेंशन) सिद्ध हो जाता है, तो केवल एक व्यक्ति द्वारा बलात्कार का कृत्य करने पर भी सभी शामिल व्यक्तियों को गैंगरेप के लिए दोषी ठहराया जा सकता है। न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने यह फैसला 1 मई को सुनाया।

बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, पीठ ने कहा, "यह स्पष्ट है कि आईपीसी की धारा 376(2)(g) के अंतर्गत सामूहिक बलात्कार के मामले में यदि सभी ने साझा मंशा के तहत कृत्य किया हो, तो एक आरोपी द्वारा किया गया कृत्य ही सभी को दंडित करने के लिए पर्याप्त है।* कोर्ट ने स्पष्ट किया कि इस धारा के तहत, यदि एक से अधिक व्यक्तियों ने साझा इरादे के साथ अपराध में भाग लिया, तो यह साबित करने की आवश्यकता नहीं है कि प्रत्येक व्यक्ति ने बलात्कार का कृत्य किया। केवल एक व्यक्ति द्वारा किया गया बलात्कारी कृत्य सभी को दोषी ठहराने के लिए पर्याप्त है, बशर्ते साझा इरादा स्थापित हो।

यह टिप्पणी मध्य प्रदेश में साल 2004 में एक महिला की किडनैपिंग और गैंगरेप के मामले में आरोपी की दोषसिद्धि को बरकरार रखते हुए की गई। आरोपी राजू ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट द्वारा उसकी सजा को बरकरार रखने के बाद सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की थी। पीड़िता ने बयान में बताया कि जलंधर कोल और अपीलकर्ता राजू नाम के दो लोगों ने उसके साथ बलात्कार किया। ट्रायल कोर्ट ने दोनों आरोपियों को गैंगरेप, अपहरण और अवैध बंदीकरण के आरोप में दोषी ठहराया। राजू को आजीवन कारावास और जलंधर कोल को 10 वर्ष की सजा सुनाई गई। हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा, जिसके बाद राजू सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। जलंधर कोल ने हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती नहीं दी।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एफआईआर में केवल जलंधर कोल द्वारा बलात्कार का उल्लेख होने के बावजूद, पीड़िता ने अपने बयान में स्पष्ट रूप से कहा है कि राजू ने भी बलात्कार किया था। पीठ ने यह भी स्पष्ट किया कि भले ही यह मान लिया जाए कि राजू ने बलात्कार नहीं किया, तब भी वह सामूहिक बलात्कार के लिए दोषी होगा यदि उसने साझा मंशा के तहत अन्य आरोपी के साथ कार्य किया हो।

हालांकि, कोर्ट ने राजू पर एससी/एसटी एक्ट की धारा 3(2)(v) के तहत दोषसिद्धि को रद्द कर दिया, क्योंकि यह साबित नहीं हो सका कि अपराध पीड़िता की जाति के आधार पर किया गया था। कोर्ट ने यह भी कहा कि पीड़िता के प्रारंभिक बयान और बाद के बयान में कुछ अंतर होने के बावजूद उसकी समग्र गवाही विश्वसनीय है।

टू-फिंगर टेस्ट को फिर बताया अमानवीय

कोर्ट ने इस मामले में «टू-फिंगर टेस्ट» के उपयोग पर भी चिंता जताई और इसे एक बार फिर "अमानवीय और अपमानजनक" करार दिया। कोर्ट ने कहा, "किसी महिला का यौन इतिहास पूर्णतः अप्रासंगिक है... यह पितृसत्तात्मक और लिंगभेदी सोच है कि किसी यौन रुप से सक्रिय महिला की गवाही पर संदेह किया जाए।" हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने IPC की सभी धाराओं में दोषसिद्धि को बरकरार रखा, लेकिन सह-आरोपी जलंधर कोल को 10 साल की सजा मिलने के मद्देनजर, राजू की आजीवन कारावास की सजा को घटाकर 10 साल का कठोर कारावास कर दिया।

संजौली मस्जिद गिराई जाएगी

एजेंसी ● शिमला

हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला के संजौली क्षेत्र में स्थित मस्जिद को लेकर नगर निगम अदालत ने अंतिम फैसला सुना दिया है। पूरी मस्जिद के अवैध घोषित कर उसे पूरी तरह गिराने का आदेश दिया गया है। इससे पहले अदालत ने 5 अक्टूबर 2024 को मस्जिद की ऊपरी तीन मंजिलों को गिराने का आदेश दिया था।

शिमला नगर निगम आयुक्त भूपिंदर अत्री की अदालत ने शनिवार को सुनवाई के बाद पूरे निर्माण को अवैध करार देते हुए संजौली मस्जिद को पूरी तरह से गिराने का आदेश जारी कर दिया। यह फैसला उस समय आया जब वक्फ बोर्ड की ओर से अदालत में मस्जिद की जमीन का मालिकाना हक साबित करने के लिए कोई पुख्ता दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जा सका।

साथ ही मस्जिद निर्माण से संबंधित कोई वैध नक्शा या नगर निगम की स्वीकृति भी पेश नहीं की गई। इससे पहले अदालत ने 5 अक्टूबर 2024 को मस्जिद की ऊपरी तीन मंजिलों को गिराने का आदेश दिया था, लेकिन मस्जिद कमेटी इस पर समय रहते कार्रवाई नहीं कर सकी। शनिवार को हुई सुनवाई में नगर निगम अदालत ने मस्जिद के बची हुई दो मंजिलों को भी अवैध माना और उन्हें गिराने का आदेश दिया। सुनवाई के दौरान वक्फ बोर्ड के वकील ने दलील दी कि मस्जिद का अस्तित्व 1947 से पहले का है और यह पुनर्निर्माण है। इस पर अदालत ने सवाल उठाया कि अगर यह पहले से मौजूद थी तो नए निर्माण के लिए नगर निगम की मंजूरी क्यों नहीं ली गई?

नियमों को ताक पर रखकर सारी मस्जिद बनाई गई। पौने घंटे तक चली बहस के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा और दोपहर एक बजे के बाद नगर निगम आयुक्त भूपिंदर अत्री ने फैसला सुनाया। इसमें साफ कहा कि पूरी मस्जिद अवैध है, इसे गिराया जाए।

राणा की हैंडराइटिंग और आवाज का लिया गया सैंपल

नई दिल्ली। 26/11 मुंबई आतंकी हमले के मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा से राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) की पूछताछ जारी है। इस कड़ी में, शनिवार को राणा की आवाज और हैंडराइटिंग के सैंपल दिल्ली की एक अदालत के सामने इकट्ठा किए गए। तहव्वुर राणा को कड़ी सुरक्षा में ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट फर्स्ट क्लास वैभव कुमार के समक्ष लाया गया, जहां एनआईए ने उसकी हैंडराइटिंग के नमूने एक बंद कमरे में दर्ज किए।

CBSE ने पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया में किया बदलाव!

एजेंसी ● नई दिल्ली

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की तरफ से बहुत जल्द 10वीं और 12वीं क्लास का रिजल्ट जारी कर दिया जाएगा। नतीजों को लेकर लाखों स्टूडेंट्स इंतजार में हैं। इस बीच बोर्ड ने रिजल्ट जारी करने की तारीख से पहले एक बड़ा फैसला लिया है। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) ने 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं के बाद होने वाली पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया में बड़ा बदलाव किया है। अब छात्र सबसे पहले अपनी जांची गई उत्तर पुस्तिकाओं की फोटोकॉपी देख पाएंगे और उसके बाद ही वे अंकों के सत्यापन या री-इवैल्यूएशन के लिए आवेदन कर सकेंगे।

नई प्रणाली के तहत, छात्र सबसे पहले CBSE से अपनी मूल्यांकित उत्तर पुस्तिकाओं की फोटोकॉपी प्राप्त करेंगे। इसके बाद वे यह देख सकेंगे कि किस उत्तर के लिए कितने अंक मिले हैं और किस प्रश्न में कितनी कटौती हुई है। यह पारदर्शिता उन्हें यह तय करने में मदद करेगी कि अंकों के सत्यापन या री-इवैल्यूएशन के लिए आवेदन करना है या नहीं।

नई प्रक्रिया में तीन मुख्य चरण होंगे

उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करें।

अंकों का सत्यापन कराएं (यदि जोड़ या अंक दर्ज करने में गलती हो)।

री-वैल्यूएशन के लिए आवेदन करें (यदि उत्तरों के मूल्यांकन पर संदेह हो)।

पहले की मूल्यांकन प्रक्रिया

पहले छात्रों को सबसे पहले अंकों के सत्यापन के लिए आवेदन करना होता था। उसके बाद वे फोटोकॉपी प्राप्त कर सकते थे और फिर अंतिम चरण में री-इवैल्यूएशन की प्रक्रिया शुरू होती थी। लेकिन अब यह बदल दिया गया है ताकि छात्र पहले ही यह समझ सकें कि उन्हें अंक क्यों और कैसे मिले हैं। CBSE का कहना है कि यह बदलाव छात्रों को अधिक स्पष्टता देने और मूल्यांकन संबंधी भ्रम को कम करने के लिए किया गया है। इससे छात्रों को री-इवैल्यूएशन का सही निर्णय लेने में मदद मिलेगी।

अयोध्या मंदिर से संदिग्ध मुस्लिम महिला हिरासत में

एजेंसी ● अयोध्या

यहां राम जन्मभूमि परिसर की सुरक्षा में तैनात जवानों ने महाराष्ट्र निवासी एक मुस्लिम महिला को हिरासत में लिया है। पूछताछ के लिए उसे पुलिस के हवाले किया गया है। पुलिस और एजेंसियां महिला का नाम, पता आदि के सत्यापन की कवायद में जुट गई हैं। बताया गया कि मूल रूप से महाराष्ट्र की रहने वाली इरिम नामक महिला शुक्रवार को दूसरी पहर राम जन्मभूमि परिसर में अन्य श्रद्धालुओं के साथ दर्शन करने गई थी।

दर्शन के बाद वह वापस लौट रही थी तो निकासी मार्ग पर सुरक्षा में तैनात जवानों ने संदिग्ध हावभाव देख महिला को रोका और उससे पूछताछ की। सिर और चेहरे पर नीला कपड़ा बांधे यह महिला पूछताछ पर सुरक्षा कर्मियों से उलझ गई। मामला संदिग्ध देख प्रकरण की जानकारी अधिकारियों को दी गई और महिला को पूछताछ तथा सत्यापन के लिए राम जन्मभूमि थाने भेज दिया गया। थाना पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने महिला से कई राउंड पूछताछ की है।

सूत्रों का कहना है कि वह उल्टे सीधे जवाब दे रही है। हालांकि आरजेबी थाना प्रभारी निरीक्षक अभिमन्यु शुक्ला ने ऐसी कोई जानकारी होने से इनकार किया है। उन्होंने कहाकि थाने पर कोई नहीं आया था। हो सकता है परिसर में ही पूछताछ हो रही हो। क्षेत्राधिकारी अयोध्या आशुतोष तिवारी ने बताया कि महिला के नाम पता आदि का सत्यापन कराया जा रहा है। फिलहाल अभी तक कोई आपत्तिजनक बात सामने नहीं आई है।

राम जन्मभूमि परिसर में कैमरा लगा चश्मा लगाकर प्रवेश करते हुए सुरक्षाकर्मियों ने एक युवक को पकड़ा है। सीओ आशुतोष तिवारी ने बताया थाना रामजन्मभूमि में युवक से पूछताछ और उसका सत्यापन कराया जा रहा है।

डॉ. पूनम गुप्ता आरबीआई की डिप्टी गवर्नर बनी

मुंबई। डॉ. पूनम गुप्ता ने भारतीय रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर का पदभार संभाल लिया है।

भारत सरकार ने 02 अप्रैल, 2025 को उन्हें पदभार ग्रहण करने की तिथि से तीन वर्ष की अवधि या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, के लिए डिप्टी गवर्नर के पद पर नियुक्त किया था। डिप्टी गवर्नर के रूप में, डॉ. गुप्ता मौद्रिक नीति विभाग, वित्तीय बाजार परिचालन विभाग, आर्थिक और नीति अनुसंधान विभाग, वित्तीय स्थिरता विभाग, अंतर्राष्ट्रीय विभाग, सांख्यिकी और सूचना प्रबंधन विभाग, कॉर्पोरेट रणनीति और बजट विभाग और संचार विभाग का कार्यभार संभालेंगी।

मुख्यमंत्री ने मंदसौर जिले के दुधाखेडा में 400 करोड़ रुपए से अधिक लागत के निर्माण कार्यों का किया लोकार्पण एवं भूमि-पूजन

दुधाखेड़ी माता मंदिर परिसर को देवी लोक के रूप में विकसित करेंगे : सीएम डॉ. यादव

संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि क्षेत्र की आस्था के केंद्र दुधाखेड़ी माता मंदिर परिसर को देवी लोक के रूप में भव्य रूप से विकसित किया जाएगा। इसके विकास कार्यों और सौन्दर्यीकरण के लिए प्रत्येक कार्य होगा मुख्यमंत्री ने दुधाखेड़ी माता मंदिर पहुंचकर पूजा अर्चना तथा दर्शन किये। उन्होंने कहा कि प्रदेश में हर हाथ को काम और हर खेत को पानी उपलब्ध कराना हमारी सरकार का संकल्प है। इसके लिए प्रदेश में विशाल पैमाने पर औद्योगिकरण तथा सिंचाई योजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को मंदसौर जिले के ग्राम दुधाखेड़ी में विशाल जनसभा को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यहाँ 400 करोड़ रुपए लागत के विभिन्न निर्माण कार्यों का लोकार्पण तथा भूमि-पूजन किया।

समीक्षा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गरोठ भानपुरा क्षेत्र का ऐतिहासिक विकास हो रहा है। यह क्षेत्र अब देश में चहूंओर से जुड़ रहा है। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे तथा अन्य मार्गों के निर्माण से गरोठ भानपुरा क्षेत्र देश के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ रहा है। उज्जैन-गरोठ मार्ग निर्माण से हमारी सरकार ने उज्जैन से इस क्षेत्र के हजारों साल पुराने संबंध को और पक्का करने का कार्य किया है। इस क्षेत्र को पर्यटन की दृष्टि से विकसित कर रहे हैं क्षेत्र में अब चीते दौड़ते हुए दिखेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गरोठ भानपुरा क्षेत्र का ऐतिहासिक एवं धार्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्व है। यहां पर भानपुरा शंकराचार्य जी की पीठ स्थापित है मुख्यमंत्री द्वारा शंकराचार्य श्री सत्यमित्रानंद जी महाराज के कार्यों का जिक्र करते हुए धर्म तथा राष्ट्र के लिए विभिन्न शंकराचार्य के कार्यों तथा भूमिका पर प्रकाश डाला गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पूरे प्रदेश में जिन-जिन स्थानों पर भगवान श्रीकृष्ण की लीलाएं हुई है, उन स्थानों को तीर्थ के रूप में विकसित किया जा रहा है। गीता भवन बनाये जा रहे हैं। गरोठ भानपुरा में भी गीता भवन बनाया जाएंगे। कामधेनु योजना से दुग्ध उत्पादन में वृद्धि की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रत्येक क्षेत्र में प्रत्येक वर्ग के विकास के लिए कार्य किया जा रहा है।

केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने किया विदिशा रेलवे स्टेशन का निरीक्षण

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत पुनर्विकास कार्यों का लिया जायजा

संवाददाता ● भोपाल

योजना

भोपाल। भोपाल मंडल में स्थित विदिशा रेलवे स्टेशन पर अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत जारी पुनर्विकास कार्यों की प्रगति का निरीक्षण आज माननीय केंद्रीय मंत्री, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा किया गया। इस दौरान उन्होंने स्टेशन परिसर का भ्रमण कर यात्री सुविधाओं, निर्माणाधीन संरचनाओं तथा आधुनिकीकृत यात्री प्रतीक्षालयों की स्थिति का जायज़ा लिया। निरीक्षण के दौरान माननीय मंत्री ने यात्रियों के हित में कार्यों की गति और गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने की बात कही। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि स्टेशन का पुनर्विकास कार्य न केवल सुविधाजनक बल्कि सौंदर्यात्मक रूप से भी प्रभावशाली होना चाहिए ताकि यात्रियों को विश्वस्तरीय अनुभव मिल सके। साथ ही, उन्होंने स्टेशन परिसर को स्वच्छ, सुरक्षित एवं दिव्यांगजन अनुकूल बनाने के निर्देश दिए। श्री चौहान ने निर्माण कार्यों की स्थिति पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विदिशा स्टेशन का कायाकल्प होने से पूरे क्षेत्र को लाभ मिलेगा। उन्होंने सुझाव दिया कि कार्यों की प्रगति में पारदर्शिता बनाए रखते हुए समयबद्ध रूप से निर्माण पूर्ण किया जाए। इस अवसर पर माननीय विधायक विदिशा श्री मुकेश टंडन, माननीय विधायक कुरवाई श्री हरी सिंह सप्रे सहित अन्य जन प्रतिनिधि एवं रेलवे की ओर से मंडल रेल प्रबंधक श्री देवाशीष त्रिपाठी, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (समन्वय) श्री ऋतुराज शर्मा, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (मध्य) श्री के. के. निगम एवं वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य) श्री संजय मानोरिया उपस्थित रहे। मंडल रेल प्रबंधक ने माननीय मंत्री को कार्य की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि स्टेशन पर आधुनिक टिकट काउंटर, लिफ्ट, एस्केलेटर, विस्तारित फुट ओवर ब्रिज, बेहतर प्रकाश व्यवस्था तथा आकर्षक फसाड तैयार किया जा रहा है। के दौरान आम जनता में भी विशेष उत्साह देखने को मिला। कई यात्रियों ने मंत्री जी से मिलकर स्टेशन विकास को लेकर अपने अनुभव साझा किए। माननीय मंत्री की यह यात्रा स्टेशन पुनर्विकास को नई दिशा प्रदान करने वाली साबित हुई, जिससे संबंधित अधिकारियों को प्रेरणा मिली और स्थानीय नागरिकों में रेलवे के प्रति विश्वास और सुदृढ़ हुआ।

शॉट न्यूज

चार महीने में ठगी के शिकार लोगों को पौने तीन करोड़ वापस दिलाए

इंदौर। क्राइम ब्रांच ने विभिन्न प्रकार के ऑनलाइन फ्रॉड की शिकायतों पर कार्रवाई करते हुए 4 माह के दौरान ठगी के शिकार लोगों को 2 करोड़ 73 लाख से अधिक की राशि वापस दिलवाए हैं। एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि क्राइम ब्रांच द्वारा संचालित सायबर हेल्पलाइन एनसीआरपी पोर्टल आदि विभिन्न माध्यमों से प्राप्त ऑनलाइन फ्रॉड की शिकायतों पर क्राइम ब्रांच की फ्रॉड इन्वेस्टिगेशन सेल द्वारा आवेदकों से फ्रॉड की सम्पूर्ण जानकारी लेकर त्वरित कार्रवाई कर आवेदकों के पैसे ठग से वापस कराने का कार्य निरंतर कर रही है। क्राइम ब्रांच टीम द्वारा ऑनलाइन फ्रॉड की शिकायतों में वर्ष 2021 में 1 करोड़ 37 लाख रुपए आवेदकों को वापस कराए गए थे, जबकि पुलिस कमिश्नरेट लागू होने के बाद 2022 में 3 करोड 92 लाख रुपए रिफंड कराए।

बैंक अधिकारी बनकर साढ़े तीन लाख की ठगी

इंदौर। भंवरकुआं इलाके में बैंक अफसर बनकर धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया हैं। आरोपी ने व्हाट्सएप पर बैंक का फर्जी लेटर और लिंक भेजकर बुजुर्ग के खाते से साढ़े 3 लाख रुपए उड़ा लिए। पुलिस के मुताबिक फरियादी आलोक पिता कमल चंद 61 साल निवासी पालदा के साथ धोखाधड़ी की घटना हुई। उन्होंने पुलिस को बताया कि 18 अप्रैल को उसके मोबाइल पर 0810575701 से कॉल आया था। कॉल करने वाले ने खुद को यूको बैंक का अधिकारी बताते हुए व्हाट्सएप पर लेटर भेज कर जानकारी प्राप्त कर लिंक के जरिए उसके केनरा बैंक की शाखा भंवरकुआं का नेट बैंकिंग चालू कर लिया और अकाउंट से 3.50 लाख रुपए निकाल कर धोखाधड़ी की। पुलिस आरोपी के मोबाइल नंबर के आधार पर तलाश कर रही है।

दो पक्षों के बीच लोहे की रॉड और डंडों से मारपीट

इंदौर। खुड़ैल इलाके में प्लॉट पर आने को लेकर हुए विवाद में दो पक्षों ने एक दूसरे पर लात-घूंसों, रॉड और डंडों से हमला कर दिया। हमले में दोनों पक्ष को चोटें आई। पुलिस ने दोनों ओर से केस दर्ज किया है। खुड़ैल पुलिस के मुताबिक विवाद और मारपीट की घटना ग्राम तिल्लौर बुजुर्ग में हुई। एक पक्ष से फरियादी जीवन पिता लखन लाल की रिपोर्ट पर आरोपी बलराम पिता लक्ष्मीनारायण अहीर, यशराज उर्फ मंगल यादव के खिलाफ केस दर्ज किया गया। घटना फरियादी जीवन के प्लॉट पर हुई। पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने फरियादी और उसके परिवार के साथ प्लॉट पर आने की बात को लेकर विवाद किया और गालियां दी। गाली देने से मना करने पर तलवार और चाकू से हमला कर दिया। जान से मारने की धमकी दी।

फिल्म का प्री और पोस्ट प्रोडक्शन भी एमपी में ही पूरा करें -अपर मुख्य सचिव दुबे

स्पेन की तरह ही मप्र बनेगा फिल्म निर्माताओं की पहली पसंद : एकता

संवाददाता ● भोपाल

आयोजन

वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट (WAVES) 2025 में शनिवार को मध्यप्रदेश के लिए ऐतिहासिक क्षण रहा। मुंबई के नीता मुकेश अंबानी सांस्कृतिक केंद्र (NMACC) में "डिजिटल सपनों और सिनेमाई दृष्टिकोण के साथः मध्यप्रदेश—अगला रचनात्मक केंद्र" विषय पर एक प्रभावशाली पैनल डिस्कशन आयोजित हुआ। इस सत्र ने देश के क्रिएटिव और डिजिटल उद्योग से जुड़े शीर्ष विशेषज्ञों को एक मंच पर लाकर मध्यप्रदेश को एवीजीसी-एक्सआर (एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स और एक्सटेंडेड रियलिटी) का राष्ट्रीय हब बनाने की दिशा में विचार-विमर्श को मजबूती प्रदान की।

इस चर्चा में मध्यप्रदेश के अपर मुख्य सचिव आईटी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी श्री संजय दुबे, प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति तथा प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड श्री शिव शेखर शुक्ला, प्रसिद्ध फिल्म निर्माता और निर्देशिका सुश्री एकता कपूर, फिक्की एवीजीसी फोरम व एमसीसीआईए एनिमेशन एंड गेमिंग कमेटी के चेयरमैन श्री आशीष एस. कुलकर्णी, अगस्त मीडिया ग्रुप के फाउंडर एवं सीईओ श्री ज्योतिर्मय सहा और क्रिएटिव लैंड स्टूडियोज़ की सीईओ सुश्री शोभा संट शामिल रहे। इस सत्र का संचालन सुप्रसिद्ध लेखक और पत्रकार श्री नमन रामचंद्रन ने किया। प्रसिद्ध अभिनेता श्री अमित सियाल और श्री शरद केलकर के साथ सभी विशेषज्ञों ने मध्यप्रदेश फिल्म पर्यटन नीति 2025 और मध्यप्रदेश एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स और एक्सटेंडेड रियलिटी AVGC-XR नीति 2025 को रिलॉन्च किया। साथ ही प्रदेश के फिल्म फैसिलिटेशन पोर्टल के सेकंड फेस को लॉन्च किया।

एवीजीसी-एक्सआर सेक्टर के विकास पर हुआ मंथन

पैनलिस्टों ने एवीजीसी-एक्सआर क्षेत्र में तकनीकी विकास, स्किल डेवेलपमेंट, निवेश अवसरों और कंटेंट निर्माण की बढ़ती संभावनाओं पर प्रकाश डाला। यह पैनल डिस्कशन न केवल मध्यप्रदेश के लिए, बल्कि समूचे देश के एवीजीसी-एक्सआर सेक्टर के लिए एक दिशा-दर्शी संवाद हुआ। WAVES 2025 में यह सत्र प्रदेश में डिजिटल क्रिएटिव इंडस्ट्री के विकास और नीतिगत समन्वय की दृष्टि से एक मील का पत्थर साबित होगा।

सत्र के दौरान अपर मुख्य सचिव आईटी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी श्री संजय दुबे ने कहा कि फिल्म निर्माण के दौरान फिल्म शूटिंग के अलावा उसका प्री प्रोडक्शन और पोस्ट प्रोडक्शन भी महत्वपूर्ण कार्य होता है। इसी को ध्यान में रखकर मध्यप्रदेश की AVGC-XR नीति 2025 का निर्माण किया गया है। फिल्म पर्यटन नीति और AVGC-XR नीति में से किसी भी एक नीति में अप्लाई कर दोनों नीतियां का लाभ लिया जा सकता है। इसलिए अब फिल्म निर्माता फिल्म शूटिंग के अलावा उसका प्री प्रोडक्शन और पोस्ट प्रोडक्शन का कार्य भी एमपी में ही कर सकते हैं।

प्रसिद्ध फिल्म निर्माता और निर्देशिका सुश्री एकता कपूर ने कहा कि फिल्म निर्माण के लिए मुख्य रूप से वित्तीय सहायता, छूट, सिंगल विंडो क्लियरेंस सिस्टम, मनभावन लोकेशन और ईज ऑफ शूट को ध्यान में रखा जाता है। इन सभी चीजों के साथ मध्यप्रदेश में समृद्ध संस्कृति और ऐतिहासिक विरासत आज भी अपने मूल रूप में है। स्पेन ने अपनी पॉलिसी के द्वारा अधिकांश अंतर्राष्ट्रीय फिल्म निर्माताओं को आकर्षित किया है। निश्चित है स्पेन की तरह ही मध्यप्रदेश भी फिल्म निर्माताओं की पहली पसंद बनेगा। प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति तथा प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड श्री शिव शेखर शुक्ला ने कहा कि फिल्म निर्माताओं के लिए मनभावन शूटिंग स्थलों के साथ, शूटिंग फ्रेंडली स्थानीय नागरिक, फिल्म सहयोगी ईको सिस्टम, समृद्ध स्थानीय संस्कृति के साथ मध्यप्रदेश विशेष रूप से ईज ऑफ शूटिंग डेस्टिनेशन बन गया है। फिल्म टूरिज्म पॉलिसी की विशेषताओं को बताते हुए प्रमुख सचिव श्री शुक्ला ने कहा कि प्रदेश में फिल्म और वेब सीरीज की श्रृंखला को शूट करने पर इन्क्रीमेंटल इनसेंटिव्स का प्रावधान है। पहली बार शूट करने पर अधिकतम 1.5 करोड़ रुपये, दूसरी बार शूट करने पर 1.75 करोड़ रुपये और इसी तरफ तीसरी बार शूट करने पर 2 करोड़ रुपये तक की सहायता दी जाती है। इसके साथ ही स्थानीय भाषा में फिल्म बनाने और स्थानीय कलाकारों को काम देने पर अतिरिक्त सहायता राशि प्रदान की जाती है। अपनी विशेष सहायता राशि, सिंगल विंडो फिल्म शूटिंग अनुमति, स्थानीय टैलेंट के साथ मध्यप्रदेश अब शूटिंग के हब मुंबई को रन फॉर मनी देने के लिए तैयार है।

फिक्की एवीजीसी फोरम व एमसीसीआईए एनिमेशन एंड गेमिंग कमेटी के चेयरमैन श्री आशीष एस. कुलकर्णी, ने कहा कि देश में मेट्रो सिटी की तुलना में मध्यप्रदेश के भोपाल और इंदौर में अधोसंरचना निर्माण, सर्विस और आर्टिस्ट कॉस्ट बहुत कम है। इसका फायदा मध्यप्रदेश में फिल्म और AVGC क्षेत्र को मिलेगा। क्रिएटिव लैंड स्टूडियोज़ की सीईओ सुश्री शोभा सेंट ने कहा कि मध्यप्रदेश देश का एकमात्र प्रदेश है, जहां मल्टीपल सीन और विजुअल है।

'दयालय' भवन गूंजा बालिकाओं के मधुर भजनों से

संवाददाता ● इंदौर

आर्ष विद्या भारती ट्रस्ट परिवार के तत्वावधान में शिवमोती नगर, नवलखा में नव निर्मित तीन मंजिला भवन 'दयालय' में गृह प्रवेश-पूजन समारोह में दूसरे दिन खातेगांव स्थित आश्रम के छात्रावास से आई बालिकाओं ने अपने मनोहारी भजनों और अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सबका मन मोह लिया। महोत्सव में आज दोपहर 12 बजे गृह प्रवेश की रस्म संपन्न होने के बाद शाम 5 बजे पूर्णाहुति और आरती के साथ इस महोत्सव का समापन होगा। एम फॉर सेवा के प्रांत प्रमुख स्वामी ऐश्वर्यानंद सरस्वती एवं स्वामी कृष्णानंद के अनुसार महोत्सव में देश के अन्य प्रमुख संत-विद्वान भी आएंगे।

आर्ष विद्या भारती की ओर से सुनील मालवीय, अरुण बागड़ी और राजेश अग्रवाल ने बताया कि एम फॉर सेवा द्वारा प्रदेश में डिंडोरी, जबलपुर, इंदौर नेमावर, खातेगांव धार, ओंकारेश्वर एवं बड़वाह सहित विभिन्न स्थानों पर आदिवासी एवं निराश्रित तथा जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा-दीक्षा, लालन-पालन और उनकी सम्पूर्ण व्यवस्था के उद्देश्य से आश्रम संचालित किए जा रहे हैं, जहां करीब 5 हजार बच्चे लाभान्वित हो रहे हैं।

पद्मभूषण स्वामी दयानंद सरस्वती की प्रेरणा एवं आल इंडिया मूवमेंट फॉर सेवा के प्रांताध्यक्ष स्वामी ऐश्वर्यानंद सरस्वती के सानिध्य में सहयोगी एवं दानदाता बंधुओं के सौजन्य से अब इंदौर के शिवमोती नगर में लगभग सवा करोड़ रु. की लागत से 'दयालय' भवन का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। इस भवन में देश-विदेश से आने वाले संतों के लिए प्रवास एवं सत्संग की व्यवस्था रहेगी। एक तरह से प्रदेश के सभी आश्रमों तक पहुंचने के लिए यह भवन सेंट्रल पाइंट की तरह काम करेगा। इसके गृह प्रवेश का महोत्सव गत 1 मई से चल रहा है।

काँग्रेस कि राष्ट्रीय महासचिव और नेता आदरणीय प्रियंका गांधी जी से मप्र काँग्रेस के महासचिव अनीस ख़ान ने मुलाक़ात कर देश और प्रदेश की राजनीतिक स्थिति से अवगत कराया।

कार से गांजा तस्करी कर रहे दो को पकड़ा

संवाददाता ● इंदौर

सराफा पुलिस ने रात्रि पैदल भ्रमण के दौरान एक कार से अवैध मादक पदार्थ गांजा के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया हैं। पुलिस दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर गांजा तस्करी के संबंध में पूछताछ कर रही हैं। बीती रात एसीपी हेमंत चौहान के निर्देशन में सराफा टीआई सुरेंद्र सिंह रघुवंशी द्वारा पुलिस बल के साथ इलाके में पैदल भ्रमण किया जा रहा था। इस दौरान पुलिस टीम जैसे ही कस्तुरबा स्कूल के सामने पहुंची तो वहां एक सफेद रंग की S-प्रेसो कार नम्बर एमपी09डब्ल्यूएल1940 संदिग्ध अवस्था में खड़ी हुई दिखाई दी। कार में दो व्यक्ति संदेहास्पद स्थिति में बैठे हुए नजर आने के बाद पुलिस ने जब उनसे पूछताछ की तो दोनों ने अपना नाम राजा पिता दयाराम झलने और मनीष पिता नारायण सोलंकी दोनो निवासी कुन्दन नगर होना बताया।

दोनों पुलिस को देखकर काफी घबराये हुए दिखे जब शंका होने पर पुलिस टीम ने गाडी के पीछे डिक्की की तलाशी ली तो उनसे कुल 3 किलो 141 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा कीमत करीबन 1.50 लाख बरामद किया गया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर उनकी कार भी जब्त कर की गई हैं। फिलहाल पुलिस आरोपियों से जब्तशुदा मादक पदार्थ गांजा कहां से ला रहे थे, कहां ले जाने वाले थे इस संबंध में बारिकी से पूछताछ कर रही है।

अभ्यास मंडल की 64 वी ग्रीष्मकालीन व्याख्यानमाला का निमंत्रण कार्ड विमोचित

ज्ञान को बुद्धि से जोड़ती है व्याख्यान माला : डॉ सिंघई

संवाददाता ● इंदौर

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ राकेश सिंह ने कहा है कि शिक्षा संस्थानों में विद्यार्थियों व युवाओं को ज्ञान दिया जाता है लेकिन यह ज्ञान उनकी बुद्धि के साथ नहीं जुड़ पाता है। अभ्यास मंडल के द्वारा आयोजित की जाने वाली व्याख्यान माला इस ज्ञान को बुद्धि के साथ जोड़ने का काम करती है।

वे अभ्यास मंडल द्वारा आयोजित 64 वीं व्याख्यान माला के निमंत्रण कार्ड के विमोचन समारोह को संबोधित कर रहे थे। यह समारोह इंदौर प्रेस क्लब के सभागार में आयोजित किया गया। इस मौके पर अपने संबोधन में कुलगुरु ने कहा कि हम सभी का यह उद्देश्य है कि युवाओं के बीच राष्ट्रवाद का भाव पैदा होना चाहिए। इसके साथ ही देश और समाज के समक्ष वर्तमान में उपस्थित समस्याओं और चुनौतियां पर उनके मन में भाव होना चाहिए। जब यह स्थिति होगी तो युवा पर्यावरण सहित मुख्य मुद्दो पर चर्चा करते हुए नजर आएंगे। आज हम स्कूल और कॉलेज की शिक्षा में ज्ञान तो दे सकते हैं। खूब कोशिश करने के उपरांत भी इस शिक्षा को हम व्यक्ति की बुद्धि से नहीं जोड़ पा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अभ्यास मंडल की व्याख्यानमाला इस ज्ञान को बुद्धि से जोड़ने का काम करती है। इस काम में पारदर्शिता झलकती है। यह व्याख्यानमाला बुद्धिमता की तरफ कदम है। राष्ट्र निर्माण और समाज के जागरण के लिए इस तरह के बौद्धिक आयोजन आवश्यक है। इस आयोजन में संबोधित करने के लिए आने वाले वक्ता की खुद की सोच, विचार , अनुभव का रोपण करने की कला सबसे महत्वपूर्ण होती है। हमने अक्सर देखा है की उम्र बढ़ने के साथ किताबी संस्थाएं पूर्ण होती हुई नजर आने लगती है। अभ्यास मंडल में काम करने वाले व्यक्तियों में समाज के लिए कर्तव्य का बोध है। राष्ट्र के प्रति चेतना का संचार इस व्याख्यान माला के माध्यम से हो, यही मेरी शुभकामना है। प्रारंभ अतिथियों का स्वागत सुरेश मिश्रा, अरविंद तिवारी, स्वप्निल व्यास, पल्लवी अढाव ने किया। कार्यक्रम का संचालन वैशाली खरे ने किया। अंत में आभार प्रदर्शन अभ्यास मंडल के अध्यक्ष रामेश्वर गुप्ता ने किया।

अवैध बस्तियों में चोरीछुपे चलने वाले नल और मोटरों से बढ़ा संकट

बिल भरने वालों को मिल रहा आधे से भी कम पानी !

संवाददाता ● इंदौर

शहर में तेजी से जनसंख्या बढ़ रही है और गर्मी में जलसंकट भी भीषण रूप लेता जा रहा है। अप्रैल के बाद शहर का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा पानी को तरसने लगता है। बोरिंग सूख जाते हैं और नर्मदा नल भी लगभग आधे आने लगते हैं। इन सबके बीच अवैध बस्तियों में चोरीछुपे चलने वाले नल कनेक्शन और मोटरें इस संकट को और गहरा देती हैं। इसकी वजह से नियमित बिल भरने वालों के पास पहले से ही कम आ रहा पानी और भी कम हो जाता है।

परेशानी

शहर में प्रमुख कॉलोनियों के आसपास कई अवैध बस्तियां बनी हुई हैं। बंगाली चौराहे और मूसाखेड़ी के आसपास मयूर नगर, गोयल नगर, पुलिस लाइन जैसे क्षेत्र हैं तो वहीं शिव नगर, भील कॉलोनी जैसी सालों पुरानी बस्तियां भी हैं। इसी तरह विजय नगर में स्कीम 136, 140 और 78 के आसपास लोहा मंडी, लसूड़िया जैसी पुरानी बस्तियां हैं। प्रमुख कॉलोनियों की नर्मदा लाइन इन बस्तियों के आसपास से ही जाती है और बस्तियों में सैकड़ों की संख्या में होने वाले अवैध नल कनेक्शन इनके पानी को आधे से भी कम कर देते हैं। परिणाम यह होता है कि नर्मदा का बिल भरने वाले रहवासी क्षेत्रों में आधे से भी कम पानी मिलता है और वे टैंकरों और बोरिंग के भरोसे हो जाते हैं।

हमें बताएं, हम देंगे पानी – आयुक्त शिवम वर्मा ने बताया कि गर्मी आते ही शहर में पानी की पानी की सप्लाई पर हमारा पूरा ध्यान है। किसी भी क्षेत्र में लोगों को परेशानी नहीं होगी। टैंकरों से भी सप्लाई लगातार की जा रही है। अगर किसी भी क्षेत्र में पानी की समस्या आ रही है तो वहां के रहवासी जोन पर या नगर निगम में आकर हमें बता सकते हैं। हम तुरंत वहां पर पानी की सप्लाई करेंगे।

कोई ट्रैकिंग सिस्टम नहीं

नगर निगम की टीम प्रमुख रहवासी क्षेत्रों में नर्मदा के बिल के लिए शुल्क वसूलती है और समय समय पर इसका सर्वे भी होता है। जो बिल नहीं भरता, उस पर पेनल्टी भी लगाई जाती है और पूरा बिल पेनल्टी के साथ वसूला जाता है। अवैध बस्तियों में नगर निगम की टीम का न तो कोई ट्रैकिंग सिस्टम है, न ही वहां पर सर्वे के कार्य होते हैं। सैकड़ों घरों में एक से दो कनेक्शन हैं और मोटरें लगाकर बस्तियों में लोग लगातार पानी खींचते रहते हैं। अधिकतर घरों के दस्तावेज न होने और नगर निगम में मकान नंबर आदि रजिस्टर न होने की वजह से इन पर कार्रवाई भी नहीं हो पाती है।

इस माह जरा संभलके : 2016 में 47 के करीब पहुंच गया था पारा

इस बार अप्रैल से ही गर्मी ने अपना असर दिखाया है। यही नहीं, पिछले पांच सालों में सबसे अधिक तापमान इसी अप्रैल में रिकॉर्ड किया गया, जो 42 डिग्री सेल्सियस के पार रहा। संभावना है कि मई माह भी काफी गर्म रहेगा और रोहिणी नक्षत्र की तपिश महसूस होगी। इधर 2 मई से वेस्टर्न डिस्टर्बेंस (पश्चिमी विक्षोभ) का असर शुरु हो गया है। ये तीन दिनों तक अपना प्रभाव छोड़ेगा। मई महीना शुरु होते ही सूरज ने अपनी तपन और बढा दी। सीजन में इसी महीने सबसे ज्यादा गर्मी पड़ती है। हालांकि इस महीने में प्री मानसून गतिविधि (बादल, गरज चमक, बूंदाबांदी) भी बढ़ जाती है। रिकॉर्ड के अनुसार मई में तेज गर्मी के साथ बादल, बूंदाबांदी और बारिश होती ही है। इस बार भी मई में ऐसे ही मिलेजुले मौसम की संभावना है। महीनेभर में मौसम दो रुप दिखाएगा। यानी अलग-अलग दिनों में भीषण गर्मी और बादल, बारिश दोनों रंग देखने को मिलेंगे। मई में गर्मी के समय 11 साल में 6 बार पारा 45 डिग्री पार और एक बार ही 46 डिग्री पार गया है।

इस माह कब-कैसा मौसम रहेगा

- पहले हफ्ते में तेज हवा चलने, बादल छाने और बूंदाबांदी की संभावना। रात का तापमान सामान्य से ज्यादा रहने की संभावना। पारा 42 तक पहुंच सकता है।
- दूसरे हफ्ते में गरज चमक के साथ बौछारें पड़ने की संभावना। तेज हवा चल सकती है। एक या दो दिन तापमान में मामूली गिरावट लेकिन ज्यादा बदलाव नहीं होगा।
- तीसरे हफ्ते में दिन के तापमान में बढ़ोतरी शुरु होने की संभावना है। 1 या 2 दिन पारा 43 या उसके आसपास हो सकता है। रात के तापमान में 2 से 3 डिग्री तक इजाफे की संभावना।

शॉट न्यूज

नियमों का उल्लंघन करने वाले 304 वाहन चालकों पर कार्रवाई

इंदौर। यातायात पुलिस द्वारा ट्रैफिक नियमों को उल्लंघन करने वालों के खिलाफ लगातर कार्रवाई की जा रही है। ट्रैफिक पुलिस टीमों ने विभिन्न चौराहों पर एक ही दिन में 304 वाहन चालकों केनियम उल्लंघन करने पर कार्रवाई की है। यातायात पुलिस के अधिकारी अपने क्षेत्र और चौराहों पर भ्रमण करते हुए निगाह रख रहे हैं। कल जांच मुहिम के दौरान एक दिन में बिना नंबर या स्टाइलिश नंबर प्लेट वाले 54 , रांग साइड 13, दुपहिया पर तीन सवारी 8, रेड लाइट उल्लंघन वाले 37, वाहनों के कांच पर ब्लैक फ़िल्म वाले 11 और तेज गति से वाहन चलाने पर 3 वाहन चालकों पर कार्रवाई की गई। इसी तरह बिना हेलमेट 94, सीट बेल्ट नहीं पहनने वाले 24, मोडिफाई साइलेंसर लगे 2 और अन्य धाराओं सहित कुल 304 चालान बनाए गए। वाहन चालकों से नियम पालन करने की समझाइश भी दी गयी।

विजय नगर में डॉक्टर से मोबाइल लूटा

इंदौर। विजय नगर इलाके क्षेत्र में छत्तीसगढ़ के एक डॉक्टर से बाइक सवार बदमाशों ने मोबाइल फोन लूट की घटना को अंजाम दिया। पुलिस लुटेरो की तलाश कर रही हैं। विजयनगर पुलिस को डॉक्टर तुषार पाणिग्रही पिता राजेंद्र नाथ निवासी जगदलपुर ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह विजय नगर स्थित कोणार्क इन होटल के पास सुबह 6 बजे मॉर्निंग वॉक कर रहा था इसी दौरान बिना नंबर की मोटरसाइकिल पर सवार दो लड़के आए और उसके हाथ से मोबाइल फोन छीनकर भाग गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपियों को पकड़ने के लिए नाकेबंदी की मगर कोई सफलता नहीं मिली। पुलिस घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी के फुटेज चेककर रही है, ताकि इसके आधार पर आरोपियों को पकड़ा जा सके।

बच्चों के झगड़े में चलाई गोलियां, दो घायल

इंदौर। देहात इलाके बड़गोंदा के एक गांव में बच्चों के झगड़े में दोनों पक्षों के बीच राजीनामा करवाए जाने के बाद आरोपियों ने फिर से विवाद करते हुए गोलियां चला दी। गोली के छर्रे लगने से दो लोग घायल हो गए। हमले के बाद आरोपी फरार हो गए। बड़गोंदा पुलिस के मुताबिक गोलियां चलने की घटना ग्राम रामपुरिया में हुई। घायलों के नाम संजय (18) और महेश गिनावा (35) बताए गए हैं। पुलिस ने फरियादी महेश पिता ज्ञानसिह गिनावा की रिपोर्ट पर आरोपी मुन्नालाल पिता झामरिया डावर, रूपसिह पिता छगनलाल डावर निवासी पलासघाट, बडगोंदा और अन्य साथियों के खिलाफ जान लेवा हमला और आर्म्स एक्ट की धाराओं में केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक पलासघाट और कदवाली के बच्चों का आपस में झगड़ा हो गया था। इस मामले में संजय ने बीच बचाव किया था तो इसी बात को लेकर मुन्नालाल और रूपसिंह ने संजय के साथ मारपीट की थी। तब फरियादी महेश ने गांव वालों की मदद से दोनों पक्षों का राजीनामा करवाया था।

20 मंजिला नई हाईटेक बिल्डिंग बनाने की तैयारी में आईडीए

संवाददाता ● इंदौर

शहर के मध्य स्थित अरबों रुपए की जमीन से अब इंदौर विकास प्राधिकरण अर्थात आईडीए ने कमाई की योजना बनाई है। दरअसल आइडिया बिल्डिंग को तोड़कर नई बनाए जाने पर मंथन चल रहा है। बताया जा रहा है कि इसके लिए सभी तैयारियां पूर्ण हो चुकी है। आइडिया की नई बिल्डिंग भाव और खरीफ 20 मंजिला होगी, जिसमें दो मंजिला बेसमेंट भी पार्किंग के लिए बनाया जाएगा। ताकि यहां आने वालों को वहां खड़े करने में असुविधा न हो। सूत्रों की माने तो जल्द ही नई बिल्डिंग के लिए टेंडर जारी किए जा सकते हैं।

जानकारी अनुसार आइडिया की नई बिल्डिंग में कमर्शियल इस्तेमाल के लिए ऑफिस और अन्य परिसर भी बनाए जाएंगे। यह कमर्शियल ऑफिसेज नीचे की बिल्डिंगों में रहेंगे जबकि ऊपर की बिल्डिंग में आईडीए का पूर्ण ऑफिस संचालित होगा।नई बिल्डिंग में आईडीए कमर्शियल कार्यालय से लेकर दुकान बेचेगा और इसके लिए आगे की रूपरेखा तैयार है। आईडीए की मंशा है कि इस तरह के बिल्डिंग से अच्छा खासा राजस्व मिलेगा और एक नई सौगात भी शहर को मिलेगी। इसके लिए आईडीए तरह-तरह के जतन इन दिनों कर रहा है। अधिकारियों के अनुसार इस नई बिल्डिंग मे दो मंजिला तलघर में पार्किंग रहेगी ताकि किसी तरह की परेशान न हों बल्कि और बेहतर सुविधा मिल सकती है। सीईओ रामप्रकाश अहिरवार ने बताया कि अभी सर्वे का काम जारी है। इसके आगे का काम बाद में होगा, योजना 136 में इस तरह की बिल्डिंग बनाने की योजना है जिस पर काम सर्वे का चल रहा है।

मैंगो जत्रा का आयोजन 9 से

3 दिनों तक हापुस आम की किस्मों का स्वाद चखेंगे इंदौरी

इंदौर। मराठी सोशल ग्रुप का सालाना मेंगो जत्रा का बारहवां संस्करण 9 से 11 मई तक ग्रामीण हाट बाजार, ढक्कनवाला कुआं, साउथ तुकोगंज इंदौर पर सुबह 09 से रात्रि 10 तक आयोजित किया जाएगा। इंदौरी तीन दिन तक हापुस आम की विभिन्न किस्म का स्वाद चख सकेंगे। ग्रुप के सुधीर दांडेकर, राजेश शाह ने बताया कि मेंगो जत्रा में करीब 23 से अधिक आम उत्पादक इसमें हिस्सा लेंगें। इस बार भी कृषक बढ़ चढ़ कर मेंगो जत्रा में हिस्सा लेने के लिए पहुच रहे है। 2013 में मात्र 5 कृषकों से प्रारम्भ हुआ मेंगो जत्रा में इस बार बारहवां संस्करण में 23 से अधिक कृषक हिस्सा ले रहे है और भी कृषक इसमें बुकिंग के लिए दिलचस्पी ले रहे है। मेंगो जत्रा में रत्नागिरी, देवगढ़ (कोंकण) के आम उत्पादक (कृषक) वहां के विशिष्ट हापूस आम और अन्य उत्पाद लेकर सीधे ग्राहक को विक्रय करते है। इसलिए मेंगो जत्रा सीधे उत्पादक से ग्राहक तक का उद्देश्य सार्थक करता है। तृप्ति महाजन और सुमेधा बावकर ने बताया कि मराठी व्यंजन एव इंदौरी चाट चौपाटी का भी मेंगो जत्रा में समावेश किया गया है। मराठी व्यंजनों में जैसे झूणका भाकर ठेचा, अप्पे, श्रीखंड पूरी, मेंगो मस्तानी, अनारसे आदि उपलब्ध रहेंगे। इसके अलावा इंदौरी चाट चौपाटी में विभिन्न आइटम उपलब्ध रहेगी।

एआईसीटीएसएल ने आई बसों के यात्रियों की सुविधा के लिए निकला रास्ता

बीआरटीएस टूटने के बाद विज्ञापन एजेंसियां बनाएंगी नए बस स्टॉप

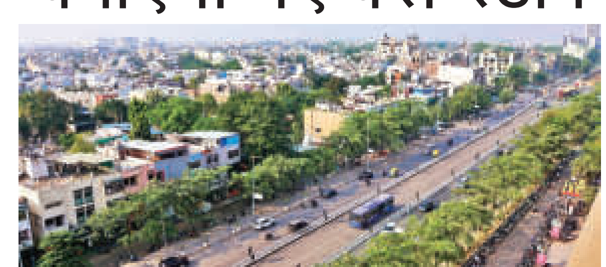

संवाददाता ● इंदौर

करीब 500 करोड रुपए की लागत से बना बीआरटीएस जल्द ही इतिहास के पन्नों में सिमट जाएगा। हालांकि बीआरटीएस की जगह दौड़ने वाली आई बसें लगातार जारी रहेंगी। बीआरटीएस हटाए जाने के बाद इस पर बने बस स्टॉप भी तोड़ दिए जाएंगे। ऐसे में आई बस के यात्रियों को सड़क के दोनों और स्टॉप उपलब्ध करवाने के लिए योजना बनाई गई है। नगर निगम और स्मार्ट सिटी दोनों ही आर्थिक तंगी के दौर गुजर रहे हैं। ऐसे में यात्रियों को छायादार बस स्टॉप उपलब्ध कराने के लिए एआईसीटीएसएल विज्ञापन डाटा एजेंसी को ढूंढ रहा है। यह एजेंसी है अपना विज्ञापन इन स्टॉप पर करेंगे और बिना पैसे लिए बस स्टॉप भी बनाएंगे। हालांकि यह अभी सामने नहीं आया है कि विज्ञापन एजेंसी यहां पर सिस्टम बनाने के बाद कितने समय इन पर विज्ञापन लगाएंगी।

जानकारी अनुसार नगर निगम ने बीआरटीएस को तोड़ने की टेंडर जारी कर दिए हैं। इसके बाद सबसे ज्यादा लोक धन का नुकसान बीआरटीएस के बीच में बने बस स्टॉप को तोड़ने में होगा। दूसरी तरफ यात्रियों से बस स्टॉप की सुविधा भी छिन जाएगी। ऐसे में नए बस स्टॉप बनाने के लिए एआईसीटीएसएल विज्ञापन एजेंसी की तलाश कर रही है। हालांकि जब तक बीआरटीएस टूटा नहीं है और नए बस स्टॉप नहीं बन जाते तब तक यात्रियों को धूप, बारिश और ठंड में ही बसों का इंतजार करना होगा।

अधिकारियों के अनुसार जब बीआरटीएस बना था तो उसके एक एक बस स्टाप की लागत बहुत खर्चीली रही अब वह तो समाप्त हो गया, लेकिन आई बसों का संचालन एआईसीटीसीएल द्वारा किया जा रहा है । जो बस स्टॉप बने थे वे सड़क के बीच में ही बने थे वे हटाने जा रहे हैं ऐसे में अब सड़क के दोनों तरफ बस स्टॉप बनाने ही हैं। ये ध्यान में रखते हुए एआईसीटीसीएल द्वारा एक नया रास्ता खोजा गया है, जिससे किसी तरह का वित्तीय भार कम्पनी पर ना पड़े और बस स्टॉप भी निर्मित हो जाएं इसके लिए विज्ञापनदाताओं एजेंसियों से ऑफर प्राप्त किए जाएंगे ताकि वे बस स्टॉप का निर्माण कर सकें । एक बस स्टॉप की लागत 7 से 8 लाख रुपये होने की संभावना है । सभी बस स्टॉप एक जैसे बनेंगे जो एक निर्धारित डिजाईन के होंगे। जहां यात्रियों के रुकने के लिए पर्याप्त जगह वह बैठने के लिए बैंच का इंतजाम होगा इस तरह शहर की जनता को ये साधन भी मिल जाएगी। एआईसीटीसीएल का एक भी रुपया भी खर्च नहीं होगा।

शहरवासियों को जलसंकट से मुक्ति दिलाना बताया जा रहा कारण

भीषण गर्मी में नए सम्पवैल बनाने के लिए निगम ने जारी किए टेंडर

संवाददाता ● इंदौर

नर्मदा प्रोजेक्ट के तीन चरण के बाद भी शहर में भीषण जल संकट की स्थिति हर वर्ष बनती है। इससे निजात दिलाने में निगम के सारे प्रयास विफल हो रहे हैं। प्रतिवर्ष लाखों रुपए खर्च किए जाने के बाद भी गर्मी में हालत भयावह हो जाते है। दूसरे शब्दों में यह भी कहा जा सकता है कि गर्मी के समय जल संकट की स्थिति पैदा कर टैंकर बढ़ाने और इससे होने वाली कमाई के कारण निगम अधिकारी ठोस प्रयास नहीं करना चाहते।

जानकारी अनुसार नगर निगम द्वारा अब लोगों को जल संकट से छुटकारा दिलाने के लिए अमृत योजना 2 की मदद ली जा रही है। इसके तहत अब शहर में पांच संपवैल बनाए जाने की योजना है। बताया जा रहा है कि इसके लिए टेंडर भी जारी किए जा चुके हैं। इन संपवैल के निर्माण के बाद इनसे

शहर की 140 में अधिक टंकियों में पानी भरने में सुविधा होना बताया जा रहा है। साथ ही संपवैल में भी पानी संग्रहित करने से जलसंकटग्रस्त क्षेत्रों में सप्लाय कर सकेंगे। इसमें लोग पानी के लिए परेशान नहीं होगी। इन संपवैल का सबसे ज्यादा इस्तेमाल और सुविधा गर्मी के समय होना बताई जा रही है। वैसे भी गर्मी में जलसंकट से निपटने निगम को खुद के और किराए के टैंकरों की जरूरत पड़ती है। इन टैंकरों का किराया प्रतिवर्ष लाखों रुपए चुकाना पड़ता है। भारी भरकम किराया चुकाने से बचने और जलसंकट खत्म करने को अमृत योजना की राशि से काम किया लाएगा। टेंडर ओपन होते ही वर्क आर्डर जारी होगा और सम्पवेल का निर्माण शुरू किए जाने की तैयारी है। हालांकि अभी तक यह स्थिति स्पष्ट नहीं हो पाई है कि संपूर्ण का निर्माण कहां किया जाना है। साथ ही निगम अधिकारी भी यह बताने को तैयार नहीं है कि इन संपवैल के लिए कहां जगह चुनी गई है। खैर जो भी हो यदि निगम अधिकारियों के प्रयास ईमानदारी पूर्वक होंगे तो शहर की जनता को अगली गर्मी में हो सकता है जल संकट की स्थिति का सामना नहीं करना पड़े। हालांकि शहर के बढ़ते आकार को देखते हुए और गिरते भूजल स्तर को देखते हुए निगम के प्रयास कहां तक सफल होंगे इस पर शंका है।

एमआरएफ मोग्रिप एफएमएससीआई नेशनल टू-व्हीलर रेली चैम्पियनशिप का आयोजन कल तक

देशभर के मोटर स्पोर्टस राइडर्स कर रहे रोमांचकारी प्रदर्शन

संवाददाता ● इंदौर

देशभर के मोटर स्पोर्टस राइडर्स एक बार फिर तैयार है रोमांच, गति और कौशल के इस महाकुंभ में भाग लेन के लिए। 2005 एमआरएफ मोग्रिप एफएसएससी आई नेशनल टू-व्हीलर रैली चैम्पियनशिप का पहला चरण एमआरएफ टू व्हीलर रैली ऑफ इंदौर 4 मई को इंदौर में आयोजित किया जा रहा है।

महाकुंभ

इस प्रतिष्ठित आयोजन का संचालन मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड (एमपीटीबी) के सहयोग से मध्य भारत मोटरस्पोर्टस, इंदौर द्वारा किया जा रहा है। इस आयोजन के केन्यू पार्टनर एनएटीआरएएक्स हैं, जबकि रैली के प्रमोटर गॉडस्पीड रेसिंग एवं एडब्ल्यू 9इवाइस, पुणे है। रैली ऑफ इन्दौर न केवल इस वर्ष के मोटरस्पोर्ट्स कैलेंडर का प्रथम कार्यक्रम है, बल्कि यह राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने पाते राइडर्स

के लिए अपनी क्षमताओं को सिद्ध करने का एक स्वर्णिम अवसर भी है। इस रैली में टीवीएस रेसिंग, हीरो मोटो जस्पोर्टस एवं वीएम मोटरस्पाईस जैसी प्रमुख फेक्ट्री टीमों की भागीदारी सुनिश्चित है। स्टार राइडर्स जैसे आर नटराजन (वीएम मोटरस्पोर्टस, सुहेल अहमद, सैयद आसिफ अली, पिंकेश ठाककर राजेंद्र आरई अब्दुल रहमान, इमरान पासा (टीवीएस) और राजेमा स्वामी वैपियनशिप खिताब के लिए मुकाबला करेंगे। वहीं महिलाओं की श्रेणी में टीवीएस की ऐश्वर्या पीएम, हीरो की तनिका शानभागंद, नेहा सीसी और इशिता गुप्ता जैसी दिमाज राइडर्स रोमांच को और भी बढ़ाएंगी। प्रतियोगिता को अधिक समावेशी एवं विविध बनाने हेतु विभिन्न श्रेणियों को को सम्मिलित किया गया है, जैसे ग्रुप ए(500सीसी तक) बी (165rc. 2100, 250cc 400cc और 500 cc तक स्कूटर श्रेणी, महिला वर्ग और एक विशेष नई श्रेणी स्टार आफ मध्यप्रदेश जो प्रदेश के स्थानीय युवाओं को राष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करेगी। विभिन्न श्रेणियों को सम्मिलित किया गया है, जैसे ग्रुप.ए. (500c तक), स्कूटर श्रेणी, महिला वर्ग, और एक विशेष नई श्रेणी स्टार राष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करेगी।

मध्यप्रदेश तीव्र गाति से देश के एडवेचर टूरिज्म एवं मोटरस्पोर्ट्स मानचित्र पर अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कर रहा है। अब तक पर्यटन विभाग के सहयोग से मध्यभारत मोटरस्पोर्ट्स द्वारा हाईलैंड एक्सट्रीम के अंतर्गत चार राष्ट्रीय स्तर की रैलियों का सफल आयोजन इंदौर में किया जा चुका है। राज्य की विविध भू सस्चना, प्रशासनिक और जागरुक युवाओं की सक्रियता इसे मोटरस्पोर्ट्स के लिए आदर्श गंतव्य बनाते हैं। म. प्र. पर्यटन बोर्ड के संयुक्त निदेशक डॉ. संतोष श्रीवासाव ने कहा कि म.प्र. अब मोटरस्पोर्टस का उभरता हुआ हब बनता जा रहा है। पर्यटन विभाग की निरंतर भागीदारी और प्रदेश के ने इस दिशा में नई गति दी है। हमारा उद्देश्य है कि राज्य को भारत के अपणी साहसिक पर्यटन एवं मोटरस्पोर्टस केंद्र के रूप में स्थापित किया जाए। आज एनटीआरएक्स परिसर में वाहनों की जांच और कागजी कार्रवाई आदि भी की जाना है। दोपहर में राइडर्स द्वारा रैली मार्ग को रेक्की की जाएगी और शाम को प्रतिभागियों की अनिवार्य ब्रीफिंग के उपरान्त सेरेमोनियल फ्लेग ऑफ मार्च कार्यक्रम आयोजित होगा।

फायदा कमाने के लिए मिर्ची तो लगानी ही होगी!

आपने कुली नं.1 फिल्म का ये गाना सुना होगा, ह्यतुझको मिर्ची लगी तो मैं क्या करूं। यह शायद कैजुअल डाइनिंग रेस्टोरेंट ह्यचिलीजह्ल (मिर्ची) के चीफ एग्जीक्यूटिव केविन होचमैन का पसंदीदा गाना होगा क्योंकि जब पूरा अमेरिका, सोशल मीडिया पर फास्ट-फूड महंगा होने की शिकायत कर रहा था, तब केविन को अवसर नजर आया।उन्होंने तुरंत चिलीज बर्गर की तुलना मैक्डॉनल्ड से शुरू कर दी, जो इस कैटगरी में दुनिया की सबसे बड़ी कंपनियों में शामिल है। उन्होंने दो अलग काम किए। कोई छोटी कंपनी, पैसे वाली बड़ी कंपनी से पंगा नहीं लेती लेकिन केविन ने ऐसा किया। दूसरी बात, ऐसा रेस्टोरेंट जहां बैठकर खाना खाते हैं, वह मैक्डॉनल्ड जैसे रेस्टोरेंट से तुलना नहीं करता, जो खाना पैक कराकर ले जाने (टेक-अवे) का विकल्प देता है।

उनकी कंपनी ने विज्ञापन में कहा, ह्यकॉम्बो मील की कीमत में, बिग मैक जैसा बर्गर पाएं, लेकिन टेबल पर, वह भी अनलिमिटेड चिप्स और सोडा के साथह्ल। यह विज्ञापन कारगर साबित हुआ। इसमें कहा गया, ह्यक्वार्टर पाउंडर से 85% ज्यादा बड़ी पैटी, चीज के साथ, सिर्फ $10.99 में।ह्ल इसमें इशारा मैक्डॉनल्ड के एक सिग्नेचर बर्गर की ओर था। पिछले सितंबर, चिलीज का एक लाइन का विज्ञापन काफी चर्चा में रहा, ह्यहमारा बर्गर खाएं या ड्राइव-थ्रू में मिलने वाले किसी बर्गर से संतोष कर लें।ह्ल इन विज्ञापनों ने लोगों को चिलीज रेस्टोरेंट में बार-बार जाने के लिए प्रेरित किया और उसकी बिक्री 15% बढ़ गई। चिलीज की पैरेंट कंपनी के शेयर की कीमतें भी तीन गुना हो गईं।

वैश्विक स्तर पर, ग्राहक और फूड कंपनियां, दोनों महंगाई से परेशान हैं। लेकिन चिलीज ने महंगाई को मार्केटिंग में बदल दिया। दिलचस्प है कि चिलीज ने कभी अपने उत्पाद, प्रतिस्पर्धी से कम कीमत पर नहीं बेचे। बल्कि यह संदेश दिया कि आपका फास्ट फूड बर्गर पहले ही महंगा है, तो क्यों न उसे अच्छी जगह खाएं और साथ में ज्यादा चीजें पाएं। बचत प्रेमियों को यह बात पसंद आई क्योंकि थोड़ी ज्यादा कीमत देने पर, बहुत कुछ मिल रहा था।

चिलीज अपने कर्मचारियों को ह्यचिली हेड्स कहता है। उनका मोटो है, ह्यअपनी नौकरी को गंभीरता से लें, खुद को नह-ीं।ह्ल मैनेजमेंट स्टडी में मैंने इस कंपनी के बारे में जाना, जो शादी और मैरिज एनिवर्सरी के बजाय वर्क एनिवर्सरी धूमधाम से मनाते हैं। कर्मचारी ह्यचिलीज क्लबह्ल के आजीवन सदस्य भी बनते हैं। कंपनी के 1200 आउटलेट में 72000 कर्मचारी हैं। ये सुनिश्चित करते हैं कि पूरे अमेरिका में चिलीज का स्वाद और गुणवत्ता एक जैसी रहे।

चिलीज अपने कर्मचारियों को ह्यचिली हेड्स कहता है। उनका मोटो है, ह्यअपनी नौकरी को गंभीरता से लें, खुद को नहीं।ह्ल मैनेजमेंट स्टडी में मैंने इस कंपनी के बारे में जाना, जो शादी और मैरिज एनिवर्सरी के बजाय वर्क एनिवर्सरी धूमधाम से मनाते हैं। कर्मचारी ह्यचिलीज क्लबह्ल के आजीवन सदस्य भी बनते हैं। कंपनी के 1200 आउटलेट में 72000 कर्मचारी हैं। ये सुनिश्चित करते हैं कि पूरे अमेरिका में चिलीज का स्वाद और गुणवत्ता एक जैसी रहे। दो टीनएजर के पिता केविन, कैजुअल कपड़ों में अपने किसी भी रेस्टोरेंट में पहुंच जाते हैं और वहीं खाते हैं। वे यहां दोस्तों को पार्टियां देते हैं, जिससे ग्राहक और मैनेजर का फीडबैक मिल जाता है। जब कंपनी का शीर्ष व्यक्ति, देश में कहीं भी कंपनी में पहुंचता है, जो इससे गंभीर वर्ककल्चर बनता है और बेहतर नतीजे मिलते हैं। कैलोरी घटाने के लिए, केविन रोजाना पांच किमी दौड़ते हैं। वे दोस्तों से कहते हैं, ह्यमैं खाने के लिए दौड़ता हूं।ह्ल हैरानी नहीं कि केविन ने पिज्जा हट, टाको बेल, यम ब्रांड्स, पेप्सिको और सेवन-इलेवन जैसी बड़ी फूड चेन के अधिकारियों को आकर्षित किया है।

मार्केट रिसर्च फर्म का अनुमान है कि महंगाई के कारण रेस्टोरेंटों में भीड़ 3.3% घटेगी। यही फर्म मानती हैं कि चिलीज के स्टोर की बिक्री इस तिमाही में 26% बढ़ेगी और सालभर स्थिर रहेगी, जब तक कीमतें न बदलें। फंडा यह है कि अगर बतौर कंपनी आप ज्यादा लाभ कमाना और कुछ अलग करना चाहते हैं, तो आपको पंगा लेना ही होगा, जिससे प्रतिस्पर्धी को थोड़ी मिर्ची लग सके।

संत वचन

मसीह में भाइयों और बहनों, जैसा कि हमने एंटिओक के सेंट इग्नाटियस के जीवन और उदाहरणों से सुना है, और जैसा कि हमने पवित्र शास्त्रों के शब्दों को समझा है, इसलिए हम सभी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करें ताकि हम उन लोगों के पदचिन्हों पर चल सकें जो हमसे पहले चले गए हैं और अपने जीवन और ईश्वर में विश्वास में अनुकरणीय रहे हैं। आइए हम सभी अपने अभिमान और अहंकार, लालच और अन्य प्रकार की इच्छाओं को त्याग दें जो हमें हमारे पतन की ओर ले जा सकती हैं। आइए हम सभी अब से अपने जीवन के प्रत्येक क्षण में ईश्वर की इच्छा को और अधिक ईमानदारी से पूरा करने का प्रयास करें, और आइए हम अपने स्वयं के अनुकरणीय जीवन से एक-दूसरे को प्रेरित करना जारी रखें ताकि हम सभी को प्रभु के और करीब ला सकें। आज के हमारे प्रथम वाचन में, जो प्रेरित पौलुस द्वारा कलीसिया और इफिसुस नगर और क्षेत्र के ईश्वर के वफादार लोगों को लिखे गए पत्र से लिया गया है,

जाति जनगणना का लाभ उठाने की स्थिति में है भाजपा

जाति जनगणना पर भाजपा का हृदय-परिवर्तन जरूर हुआ है, लेकिन यह भी सच है कि पार्टी ने इसे कभी खारिज नहीं किया था। इसके निहितार्थों को लेकर पार्टी के भीतर और व्यापक संघ परिवार में भी ऊहापोह थी। बुधवार को कैबिनेट की सर्वोच्च समिति सीसीपीए ने जाति जनगणना को मंजूरी देने के लिए बैठक की। पिछले दो वर्षों से इस विचार को आगे बढ़ा रहे राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी अब इसके लिए सरकार पर दबाव बनाने का श्रेय ले रहे हैं। लेकिन लंबे समय के बाद किसी निर्णय पर राजनीतिक सर्वसम्मति दिखी है और भाजपा, कांग्रेस, क्षेत्रीय दल सभी एक ही पक्ष में हैं। भाजपा का गणित यह है कि वह इस निर्णय का राजनीतिक लाभ उठाने के लिए सबसे अच्छी स्थिति में है। क्योंकि आज वह पहले की तरह ब्राह्मण-बनिया पार्टी नहीं कहलाती है, बल्कि पिछले दशक में उसने दलितों-पिछड़ों में अपना समर्थन-आधार बढ़ाया है। सरकार का नेतृत्व एक ऐसे प्रधानमंत्री कर रहे हैं, जो खुद ओबीसी वर्ग से आते हैं।

एडिट.नोट

वैसे भी भाजपा ऐसी पार्टी है, जो किसी भी स्थिति को अपने फायदे में बदलने में माहिर है। भाजपा को मुद्दा भुनाना आता है, कांग्रेस इस खेल में पिट जाती है। राहुल गांधी द्वारा इस मुद्दे को उठाने के बाद से पिछले दो वर्षों में हुए चुनावों में कांग्रेस को कितने अतिरिक्त ओबीसी वोट मिले हैं? दूसरी तरफ 2024 के लोकसभा चुनावों में यूपी में भाजपा की सीटें भी 62 से घटकर 33 रह गईं और इसी के चलते वह बहुमत के आंकड़े से पीछे रह आई। इस गिरावट का एक महत्वपूर्ण कारण ओबीसी थे। उन्होंने भाजपा को उतने पैमाने पर वोट नहीं दिया, जैसी कि उनसे उम्मीद की जा रही थी।

सैद्धांतिक रूप से, जाति जनगणना का प्रयोजन है यह पता करना कि विभिन्न जातियां और उपजातियां कहां खड़ी हैं, ताकि सरकार हाशिए के लोगों को आगे आने का मौका देने के लिए उपयुक्त कार्यक्रम बना सके। अभी तक हम 1931 की जाति जनगणना के आंकड़ों पर ही निर्भर हैं।

उसके बाद, 2011 में भी एक जाति जनगणना हुई थी, लेकिन उसके अधिकांश निष्कर्षों को सार्वजनिक नहीं किया गया है। यह अजीब बात है कि न तो कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए- जो उस समय सत्ता में थी- और न ही भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए- जो पिछले 11 वर्षों से सत्ता में है- ने 2011 की जनगणना से मिली जानकरियों का खुलासा किया है। न ही वह जानकारी ह्यलीकह्ल हो पाई है। कहा जाता है कि 2011 की जाति जनगणना से पता चला था भारत में 46 लाख जातियां हैं! राजनीतिक रूप से देखा जाए तो जाति जनगणना को राजनीतिक दलों द्वारा ओबीसी जातियों का समर्थन जुटाने के साधन के रूप में देखा जाता है, क्योंकि वे बड़ी संख्या में हैं। बिहार, तेलंगाना या कर्नाटक जैसी राज्य सरकारों द्वारा की गई जाति जनगणना से पता चलता है कि ओबीसी की संख्या और बढ़ने की संभावना है।

2023 में बिहार की जाति जनगणना में पाया गया था कि राज्य में ओबीसी की आबादी 63% थी। 1931 की जाति जनगणना के अनुसार, ओबीसी का राष्ट्रीय औसत 52% था। ऐसा होने पर, ओबीसी स्वाभाविक रूप से आर्थिक और राजनीतिक क्षेत्र में अधिक हिस्सेदारी की मांग करेंगे। वे नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में अधिक आरक्षण चाहेंगे। राजनीति में इस बदली हुई हकीकत के दूरगामी परिणाम होंगे। इस निर्णय की टाइमिंग ने भी सभी को आश्चर्यचकित कर दिया है। यह निर्णय ऐसे समय लिया गया है, जब देश पहलगाम आतंकी हमले के सदमे से जूझ रहा था। प्रधानमंत्री ने आतंकवादियों को ऐसा सबक सिखाने की बात कही है, जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। कई उच्चस्तरीय बैठकों के बाद सेना प्रमुखों को फ्री-हैंड दे दिया गया है। बढ़ते तनाव और सस्पेंस के बीच अचानक सरकार ने एक ऐसा कदम उठाया, जिसने सुर्खियों को बदल दिया है। जाति का मुद्दा उभरने ने अचानक स्थिति को थोड़ा ह्यसामान्यह्ल कर दिया है। हमारी फौजें तब हमला करने का फैसला ले सकती हैं, जब सभी का ध्यान कहीं और हो। पहलगाम में जिस तरह से हिंदुओं को निशाना बनाया गया, उसका मकसद देश में हिंदू-मुस्लिम टकराव पैदा करना था।

पवन के. वर्मा - लेखक

संसद को कोर्ट के विरोध में खड़ा करना गैरजरूरी टकराव

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ एक मिलनसार व्यक्ति हैं। कुछ साल पहले मैं कोलकाता में अपनी पुस्तक ह्यआदि शंकराचार्य : हिंदू धर्म के महानतम दार्शनिकह्ल पर बोल रहा था और राज्यपाल के रूप में उन्हें वहां लगभग 15 मिनट के लिए उपस्थित होना था। लेकिन वे मेरे भाषण के अंत तक रुके। बाद में, जब हम दिल्ली में मिले, तो उन्होंने इस अवसर को जीवंत रूप से याद किया, और बहुत उत्साह से प्रशंसा की। उनके आतिथ्य और तत्पर-विनोद ने मुझ पर एक अलग छाप छोड़ी। हालांकि, संवैधानिक मामलों में हमारी व्यक्तिगत पसंद-नापसंद गौण होती हैं। देश के दूसरे सबसे बड़े संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति के लिए तो यही ज्यादा मायने रखता है कि वे संविधान की कैसी व्याख्या करते हैं, और इसके भीतर महत्वपूर्ण घटकों की कैसी भूमिका देखते हैं।

उपराष्ट्रपति ने हाल ही में न केवल सर्वोच्च न्यायालय पर ह्यन्यायिक अतिक्रमणह्ल का आरोप लगाया, बल्कि संविधान के अनुच्छेद 142 को संसद की सर्वोच्चता के खिलाफ ह्यपरमाणु मिसाइलह्ल के रूप में इस्तेमाल करने की भी बात कही। ये कठोर शब्द हैं, अलबत्ता उनकी आलोचना-वृत्ति नई नहीं है। दिसंबर 2022 में पदभार संभालने के तुरंत बाद भी धनखड़ ने ऐतिहासिक केशवानंद भारती फैसले (1973) पर सवाल उठाकर बहस छेड़ दी थी, जिसने संविधान के ह्यमूल ढांचेह्ल की रक्षा के लिए एससी के अधिकार को स्थापित किया था। उन्होंने इसे संविधान में संशोधन करने की संसद की शक्ति को सीमित करने के रूप में देखा। धनखड़ ने तर्क दिया था कि इस न्यायिक इनोवेशन का संविधान में कोई स्पष्ट आधार नहीं था और इसने संसदीय संप्रभुता को कमजोर किया है। तब भी उनकी टिप्पणियों को कई लोगों ने संविधान की व्याख्याता के रूप में न्यायपालिका की भूमिका के लिए एक अप्रत्यक्ष चुनौती की तरह देखा था।

लेकिन उनकी नवीनतम आलोचना, जिसमें उन्होंने राज्य विधेयकों पर राष्ट्रपति के विवेकाधिकार में एससी के हस्तक्षेप पर निशाना साधा है- ने बात को तूल दे दिया है। इसके मूल में राज्यपालों पर एससी की वे टिप्पणियां हैं, जिनमें विशेष रूप से विपक्ष-शासित राज्यों में विधेयकों को दबाए रखने की बात कही गई थी। तमिलनाडु, केरल और पंजाब में तो राज्य सरकारों ने राज्यपालों पर ह्यकेंद्र के एजेंटह्ल के रूप में कार्य करने का आरोप लगाया, जो वर्षों तक विधेयकों में टालमटोल करते हैं। ऐसे में त्वरित निर्णय लेने पर सर्वोच्च न्यायालय का जोर संवैधानिक कार्यालयों को राजनीतिक उद्देश्यों के लिए हथियार बनाने से रोकने के लिए आवश्यक सुधार के रूप में देखा जाना चाहिए। लेकिन इस न्यायिक निरीक्षण के प्रति धनखड़ का प्रतिरोध एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठाता है। यह कि अगर संवैधानिक पदाधिकारी अपने कर्तव्य में विफल होते हैं, तो जवाबदेही कौन सुनिश्चित करेगा?संविधान स्वयं राज्यपालों या राष्ट्रपति को विधेयकों पर कार्रवाई करने के लिए कोई स्पष्ट समयसीमा प्रदान नहीं करता है। ऐसे परिदृश्य में, सत्ता के दुरुपयोग को रोकने के लिए न्यायिक व्याख्या जरूरी हो जाती है। राष्ट्रपति को निर्देश जारी करने का प्रश्न तो हास्यास्पद है, क्योंकि वे एक ऐसे संवैधानिक प्राधिकारी हैं, जो मंत्रिपरिषद की सलाह पर कार्य करते हैं। मेरे खयाल से, धनखड़ एक गलत व्याख्या कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट कानून बनाने के लिए संसद के निर्विवाद संवैधानिक अधिकार पर सवाल नहीं उठा रहा है। सुप्रीम कोर्ट सिर्फ यह जांच रहा है कि क्या ऐसे कानून संविधान के अनुरूप हैं। यह सर्वोच्च न्यायालय का अधिकार है। अगर ऐसा न हो तो कोई कार्यपालिका पर कोई रोकटोक नहीं होगी और वह बेलगाम हो सकती है।

उदाहरण के लिए, लोकसभा में पूर्ण बहुमत और राज्यसभा में पर्याप्त संख्याबल की सहायता से कोई राजनीतिक दल भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करने वाला कानून पारित कर सकता है। लेकिन तब भी सुप्रीम कोर्ट को इसे रद्द करने का अधिकार होगा, क्योंकि वह कानून संविधान के अनुच्छेद 25 का स्पष्ट रूप से उल्लंघन करने वाला होगा। अनुच्छेद 25 भारत के सभी व्यक्तियों को अपने धर्म को स्वतंत्र रूप से मानने, उसका अभ्यास और प्रचार करने का मौलिक अधिकार देता है, वहीं संविधान की प्रस्तावना सभी भारतीयों को ह्यविचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, आस्था और उपासना की स्वतंत्रताह्ल भी प्रदान करता है। संसद को सुप्रीम कोर्ट के विरोध में खड़ा करके धनखड़ एक अनावश्यक टकराव पैदा कर रहे हैं, जिसे संविधान ने स्पष्ट रूप से शुरू में ही हल कर दिया था। यह संसदीय लोकतंत्र के कामकाज को खतरे में डाल सकता है।

बिजनेस

रॉयल एनफील्ड कॉन्टिनेंटल जीटी कप का 5वां सीजन लौट आया, रजिस्ट्रेशन शुरू

मुंबई। (रॉयल एनफील्ड) का सबसे चर्चित मोटरस्पोर्ट इवेंट कॉन्टिनेंटल ऋ्र्र्र कप अब अपने पांचवें सीजन के साथ नवंबर 2025 में वापस आ रहा है। इस रेसिंग चैंपियनशिप की शुरूआत साल 2021 में हुई थी और तभी से यह चेन्नई बेस्ड बाइक कंपनी के मोटरस्पोर्ट्स सफर का अहम हिस्सा बन गया है। अब एक बार फिर बाइक रेसिंग के दीवानों के लिए रफ्तार और रोमांच से भरपूर मंच तैयार है।रॉयल एनफील्ड ने इस बार के एडिशन के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू कर दिए हैं।'

इच्छुक प्रतिभागी कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपना नाम दर्ज कर सकते हैं। खास बात यह है कि इस बार मुकाबला और भी बड़ा हो गया है। पिछले साल जहां सिर्फ 4 शहरों में जोनल राउंड हुए थे, इस बार वो बढ़कर 8 शहरों तक पहुंच गए हैं। चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, मुंबई और पुणे के साथ अब अहमदाबाद, हैदराबाद, गुवाहाटी और बंगलूरू को भी जोड़ा गया है।जोनल राउंड का मकसद है देशभर के बेहतरीन शौकिया राइडर्स को तलाशना। इसके लिए सिर्फ एक शर्त है कि आपके पास एक वैध ड्राइविंग लाइसेंस होना चाहिए। हर शहर में शॉर्टलिस्ट किए गए राइडर्स को दो दिन का ट्रैक एक्सपीरियंस मिलेगा। पहले दिन उन्हें रॉयल एनफील्ड ट्रैक स्कूल के एक्सपर्ट्स से ट्रेनिंग दी जाएगी, और दूसरे दिन टाइम लैप के आधार पर सेलेक्शन किया जाएगा।2025 का ऋ्र्र्र कप फिर से 'ढ१ङ्ग-अे' सीरीज फॉर्मेट में आयोजित होगा, जिसमें प्रोफेशनल और शौकिया राइडर्स एक साथ रेस ट्रैक पर दिखाई देंगे। इस बार भी ट्विन पावर ट्रॉफी की वापसी हो रही है, जिसमें एक प्रोफेशनल राइडर को एक शौकिया राइडर के साथ जोड़ा जाएगा, जिससे दोनों मिलकर एक टीम बनाएंगे। यह फॉर्मेट नए राइडर्स के लिए सीखने का शानदार मौका होगा, जहां उन्हें सीधे अनुभवी रेसर्स से मार्गदर्शन मिलेगा।देशभर के 8 जोनल राउंड्स से कुल 64 शौकिया राइडर्स को चुना जाएगा यानी हर शहर से टॉप 8। इनके अलावा 50 प्रोफेशनल राइडर्स भी हिस्सा लेंगे।

फाइनल सेलेक्शन राउंड 3 से 6 जुलाई 2025 तक कोयंबटूर के कारी मोटर स्पीडवे पर आयोजित होगा। आखिर में, दोनों कैटेगरी से कुल 24 सबसे तेज राइडर्स को मुख्य चैंपियनशिप के लिए चुना जाएगा।मुख्य टूनार्मेंट अगस्त 2025 से शुरू होगा और नवंबर में खत्म होगा। इसमें तीन राउंड में कुल आठ रेस होंगी। इस बार का ऋ्र्र्र उ४स्र, जेके टायर नेशनल रेसिंग चैंपियनशिप का भी हिस्सा रहेगा।

राज-काज

भारत ने पाकिस्तान से रोके सभी आयात

नई दिल्ली। भारत ने पाकिस्तान से वस्तुओं के किसी भी तरह के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष आयात पर तत्काल रोक लगा दी है। वाणिज्य मंत्रालय की ओर से 02 मई को जारी एक अधिसूचना विदेश व्यापार नीति (एफटीपी) 2023 में एक प्रावधान जोड़ा गया है। इसके तहत अगले आदेश तक तत्काल प्रभाव से पाकिस्तान में पैदा हुए या वहां से निर्यात किए जाने वाले सभी सामानों के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष आयात पर रोक लगा दी गई है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने अधिसूचना में कहा कि यह प्रतिबंध राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक हितों को देखते हुए लिया गया है। अधिसूचना में यह भी कहा गया है कि इस प्रतिबंध से छूट में किसी भी अपवाद के लिए भारत सरकार की मंजूरी की जरूरत होगी।सरकार ने यह कदम पिछले महीने पहलगाम आतंकवादी हमलों के बाद उठाया है। इस बर्बर हमले में 26 पर्यटक मारे गए थे।

एसबीआई का चौथी तिमाही का मुनाफा 10 प्रतिशत घटकर 1643 करोड़ रुपये रहा

नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का एक शुद्ध लाभ मार्च 2025 को समाप्त चौथी तिमाही में 10 प्रतिशत घटकर 18,643 करोड़ रुपये रह गया। देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। देश के सबसे बड़े ऋणदाता ने 2023-24 की जनवरी-मार्च अवधि में 20,698 करोड़ रुपये का लाभ कमाया था।एसबीआई ने नियामकीय फाइलिंग में बताया कि मार्च तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 1,43,876 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले इसी तिमाही में 1,28,412 करोड़ रुपये थी। तिमाही के दौरान बैंक ने 1,19,666 करोड़ रुपये की आय ब्याज से हासिल की, जबकि एक वर्ष पूर्व यह आंकड़ा 1,11,043 करोड़ रुपये था।बैंक ने परिसंपत्ति की गुणवत्ता में सुधार देखा, सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) चौथी तिमाही में कुल अग्रिमों के 1.82 प्रतिशत तक घट गईं, जो मार्च-अंत 2024 तक 2.24 प्रतिशत थीं। इसी तरह, शुद्ध एनपीए 0.57 प्रतिशत से घटकर 0.47 प्रतिशत हो गया।समेकित आधार पर, तिमाही में एसबीआई का शुद्ध लाभ 8 प्रतिशत घटकर 19,600 करोड़ रुपये रह गया, जबकि एक साल पहले समान तिमाही में यह 21,384 करोड़ रुपये था। हालांकि, कुल आय 1,64,914 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,79,562 करोड़ रुपये हो गई।संपूर्ण वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए, बैंक ने पिछले वर्ष के 61,077 करोड़ रुपये के मुकाबले एकल आधार पर लाभ में 16 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 70,901 करोड़ रुपये की वृद्धि हासिल की।बैंक के बोर्ड ने वित्त वर्ष 2025 के लिए प्रति इक्विटी शेयर 15.90 रुपये का लाभांश घोषित किया है। इसके अलावा, बोर्ड ने 2025-26 के दौरान क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट (क्यूआईपी)/फॉलो ऑन पब्लिक ऑफर (एफपीओ) या किसी अन्य तरीके से एक या अधिक किस्तों में 25,000 करोड़ रुपये (शेयर प्रीमियम सहित) तक की इक्विटी पूंजी जुटाने को मंजूरी दी है।

अप्रैल में टू-व्हीलर की बिक्री में 17% की गिरावट, शादी और त्योहारों में कम मांग बनी वजह

नई दिल्ली। अप्रैल महीने में दोपहिया वाहनों की बिक्री में भारी गिरावट देखने को मिली है। पिछले साल की तुलना में इस बार 17 प्रतिशत कम बिक्री दर्ज की गई। जो पिछले एक साल में सबसे बड़ी मासिक गिरावट है। खास बात यह है कि कंपनियों ने ग्राहकों को लुभाने के लिए कई तरह की छूट (डिस्काउंट स्कीम्स) चलाई थीं। इसके बावजूद बिक्री में सुधार नहीं हो सका।देश की टॉप छह दोपहिया वाहन कंपनियों ने मिलकर अप्रैल में कुल 14.1 लाख यूनिट्स की घरेलू बिक्री की। ये कंपनियां भारत में कुल टू-व्हीलर बिक्री का लगभग 95 प्रतिशत हिस्सा रखती हैं। एनालिस्ट रिपोर्ट्स के मुताबिक, ग्रामीण इलाकों की बिक्री कुछ हद तक बेहतर रही, लेकिन शहरी इलाकों में मांग काफी कमजोर रही।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, येस सिक्योरिटीज की रिपोर्ट में कहा गया है कि चैनल पार्टनर्स से बातचीत के बाद यह बात सामने आई है कि उत्तर और मध्य भारत के शादी के सीजन में और पश्चिम भारत के त्योहारों में टू-व्हीलर की मांग उम्मीद से कम रही।

हालांकि, यूपी और बिहार जैसे राज्यों से थोड़ी रिकवरी जरूर हुई है। इन राज्यों में पिछले 2झ्र3 महीनों में मलमास और पहले से ही ज्यादा बिक्री होने के कारण मांग दबाव में थी।दिल्ली की हीरो मोटोकॉर्प को अप्रैल में सबसे बड़ा झटका लगा। कंपनी की बिक्री पिछले साल की तुलना में 43 प्रतिशत घटकर 3,05,406 यूनिट्स पर आ गई। हाल के वर्षों में कंपनी की यह सबसे बड़ी मासिक गिरावट है। इस गिरावट की एक वजह यह भी रही कि कंपनी ने 17 से 19 अप्रैल तक अपने धारूहेड़ा, गुरुग्राम, हरिद्वार और नीमराना प्लांट्स में उत्पादन रोक दिया था। इसका मकसद सप्लाई चेन को ठीक करना और जरूरी रखरखाव के काम पूरे करना था। कंपनी मई 2025 से उत्पादन सामान्य होने की उम्मीद कर रही है।होंडा ने एक बार फिर हीरो को पीछे छोड़ते हुए अप्रैल में सबसे ज्यादा टू-व्हीलर बाजार में उतारे।

उत्तर प्रदेश ई-रिक्शा चालक कल्याण एसोसिएशन के सदस्यों ने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर लश्कर-ए-तैयबा के संस्थापक हाफिज सईद के खिलाफ मेरठ में विरोध प्रदर्शन किया।

मुख्यमंत्री ने एक पेड़ लाड़ली लक्ष्मी के नाम अभियान में स्टेट हैंगर में लगाए पौधे

बेटियों के लिए अद्भुत है लाड़ली लक्ष्मी योजना : सीएम

संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश की सभी बेटियों, बहनों और माताओं के कल्याण के लिए हमारी सरकार हमेशा आगे रही है। बेटियों के जन्म को प्रोत्साहन देने और उनके भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए हमारी तत्कालीन सरकार ने मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना तैयार कर 1 अप्रैल 2007 से लागू की थी। यह योजना बेटियों के जन्म को प्रोत्साहन देने और प्रदेश के जेंडर रेश्यो में उत्तरोत्तर सुधार के लिए विश्व की एक अद्भुत योजना है। इसमें बेटियों के जन्म से लेकर उनकी पढ़ाई और उनका विवाह होने तक भी सरकार द्वारा अभिभावकों को आर्थिक सहायता दी जाती हैं। ताकि बेटियों को कोई भी माता-पिता खुद पर बोझ न माने, बेटियों की पढ़ाई-लिखाई की चिंता से मुक्त रहें और सिर्फ उनके सुनहरे भविष्य के निर्माण में ही अग्रसर रहें। इस योजना को आशातीत प्रतिसाद मिलने से प्रदेश में जेंडर रेश्यो में बढ़ोतरी हुई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को लाड़ली लक्ष्मी योजना दिवस (2 मई) के अवसर पर स्टेट हैंगर परिसर में पौध-रोपण के पश्चात लाड़ली लक्ष्मियों को संबोधित कर रहे थे।

योजना

बेटियां ही हैं हमारी महालक्ष्मी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अभियान के तहत भोपाल जिले की 25 से अधिक लाड़ली लक्ष्मियों के साथ आम, आंवला, संतरे और नींबू के पौधे लगाए। उन्होंने कहा कि बेटियां ही हमारी महालक्ष्मी हैं, अष्टलक्ष्मी हैं और हमारी भारतीय संस्कृति में लक्ष्मी को सदैव ही पूजा जाता है। बेटियों से ही हमारे घरों में रौनक है। यह अभियान हमें अपनी बच्चियों का भविष्य संवारने के लिए संकल्पित होने की प्रेरणा देता है। प्रदेश के हर माता-पिता को अपनी बेटियों के नाम एक-एक पौधा जरुर लगाना चाहिए और उस पौधे का अपनी संतान की तरह ही पालन पोषण करना चाहिए। उन्होंने जानकारी देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना के प्रारंभ से अब तक 50 लाख 45 हजार से अधिक लाडली लक्ष्मियों का पंजीयन किया जा चुका है। कार्यक्रम में आईं सभी लाड़ली लक्ष्मियों ने फूल देकर मुख्यमंत्री डॉ. यादव का स्वागत किया और उनके साथ पौध-रोपण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लाड़ली लक्ष्मियों को दुलार किया, मेहनत से पढ़ाई करने की मनुहार की और बच्चियों के साथ समूह चित्र भी खिंचवाये।

बेटियां खूब पढ़ें-लिखें, आगे बढ़ें

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश की सभी बेटियों को लाड़ली लक्ष्मी उत्सव की शुभकामनाएं देते कहा कि वे जितना अधिक हो सके, खूब पढ़-लिखकर अपने जीवन में निरंतर आगे बढ़ें। उनके भविष्य की चिंता हमारी सरकार करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बेटियों को हर कदम पर जरुरी मार्गदर्शन और मदद मुहैया कराई जाएगी। नगर निगम भोपाल के अध्यक्ष श्री किशन सूर्यवंशी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना

बालिका जन्म के प्रति जनता में सकारात्मक सोच लिंग अनुपात में सुधार बालिकाओं के शैक्षणिक स्तर तथा स्वास्थ्य की स्थिति में सुधार तथा उनके अच्छे भविष्य की आधारशिला रखने के उद्देश्य से लाड़ली लक्ष्मी योजना अप्रैल 2007 से मध्यप्रदेश में लागू की गई थी। प्रदेश की बालिकाओं को मिलने वाले लाभ को स्थायी बनाने के लिए सरकार द्वारा मध्यप्रदेश लाड़ली लक्ष्मी (बालिका प्रोत्साहन) अधिनियम 2018 लागू किया गया, जो प्रत्येक बालिका को मिलने वाली राशि की गारन्टी प्रदान करता है। पहले से संचालित मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना का विस्तार करते हुए लाडली बालिकाओं को उच्च शिक्षा की ओर प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से राज्य शासन द्वारा लाडली लक्ष्मी योजना 2.0 की स्वीकृति दी गई। इसके अनुसार मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना दिवस का उत्सव हर साल 02 मई को आयोजित किया जाता है।

बालिकाओं को मिलने वाले लाभ

लाड़ली लक्ष्मी प्रकरण की स्वीकृति के उपरांत 1 लाख 43 हजार रुपये का आश्वासन प्रमाण पत्र दिया जाता है। योजनान्तर्गत बालिकाओं को कक्षा 6वीं में प्रवेश लेने पर 2000 रुपये, कक्षा 9वीं में प्रवेश लेने पर 4000 रुपए, कक्षा 11वीं में प्रवेश लेने पर 6000 रुपये एवं कक्षा 12वीं में प्रवेश लेने पर 6000 रुपए छात्रवृत्ति की राशि ई-पेंमेंट के माध्यम से दी जाती है। लाड़ली बालिकाओं को कक्षा 12 वीं के पश्चात् स्नातक अथवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम में (पाठयक्रम अवधि न्यूनतम दो वर्ष) प्रवेश लेने पर 25000 रुपए की प्रोत्साहन राशि 2 समान किश्तों में पाठ्यक्रम अवधि के प्रथम एवं अंतिम वर्ष में दी जाती है। योजना के अंतर्गत एक लाख रुपए का भुगतान 21 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर संबंधित लाड़ली लक्ष्मी को किया जाएगा।

शॉट न्यूज

हेड कांस्टेबल को गोली मारने वाले ने फिर की कोशिश

सतना। मध्य प्रदेश के सतना जिले के जैतवारा थाना परिसर में हेड कांस्टेबल पर गोली चलाने वाले आरोपी आदर्श उर्फ अच्छूं गौतम को पुलिस ने शॉर्ट एनकाउंटर के बाद गिरफ्तार कर लिया है। मुठभेड़ टिकुरी-अकौना रोड पर शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात में हुई। दरअसल, आरोपी आदर्श ने पुलिस पर गोली चलाई थी। इसके बाद पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की, जिसमें आरोपी के पैर में गोली लगी। मुठभेड़ में एसएचओ कोटर दिलीप मिश्रा भी घायल हो गए। हालांकि बुलेट प्रूफ जैकेट की वजह से बच गए। फिलहाल घायल आरोपी को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एसएचओ का भी इलाज किया जा रहा है। मिली जानकारी के मुताबिक आरोपी अच्छू को अरेस्ट करने के लिए कई लोकेशन पर पुलिस की पार्टियां सर्चिंग कर रही थी।

लव जिहाद के आरोपी का शार्ट एनकाउंटर!

भोपाल। बहुचर्चित लव जिहाद मामले में पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। इस बीच पुलिस इस पूरे मामले के मास्टरमाइंड को दूसरे आरोपी के ठिकाने पर लेकर जा रही थी। तभी फरहान ने भागने की कोशिश की, जिसके लिए उसने पुलिस वालों से पिस्तौल तक छीन ली। हालांकि पुलिस की तत्परता के चलते फरहान अपने मंसूबे में कामयाब नहीं हुआ। वहीं पुलिस ने जब उससे पिस्तौल छीनने की कोशिश की, तभी फरहान को गोली जा लगी। फरहान का इलाज फिलहाल अस्पताल में चल रहा है। राजधानी भोपाल में सामने आए लव जिहाद केस के मुख्य आरोपी का पुलिस ने देर रात यानी कि शुक्रवार की रात को शॉर्ट एनकाउंटर कर दिया। आरोपित फरहान का अशोका गार्डन थाना पुलिस ने शॉर्ट एनकाउंटर किया। पुलिस ने फरहान की एक दिन की रिमांड ले रखी थी। गोली लगने के बाद लव-जिहादी फरहान को हमीदिया हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया।

ऑर्डिनेंस फैक्ट्री में अधिकारी-कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द

जबलपुर। मध्य प्रदेश के जबलपुर स्थित आयुध संयंत्र खमरिया में कार्यरत अधिकारियों और कर्मचारियों की दो दिन से अधिक की छुट्टियों को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया गया है। यह निर्णय उत्पादन लक्ष्य को पूरा करने के उद्देश्य से लिया गया है। मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले में आयुध संयंत्र खमरिया (ओएफके) में अधिकारियों और कर्मचारियों की दो दिन से अधिक की छुट्टियां शुक्रवार को रद्द कर दी गईं। यह जानकारी एक अधिकारी ने दी।ओएफके के जनसंपर्क अधिकारी अविनाश शंकर ने फोन पर 'पीटीआई-भाषा' से कहा,'उत्पादन लक्ष्य को पूरा करने के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों की दो दिन से अधिक की छुट्टियां तत्काल प्रभाव से रद्द कर दी गई हैं।' ओएफके में करीब चार हजार लोग काम करते हैं।

गेहूं खरीदी केंद्र में लापरवाही करने पर समिति प्रबंधक-पटवारी निलंबित

संवाददाता ● भोपाल

मध्य प्रदेश में इन दिनों उपार्जन केंद्रों में लगातार खरीदी का काम जारी है। वहीं, कुछ खरीदी केंद्रों में भयंकर लापरवाही की जा रही है। कुछ इसी तरह की लापरवाही अशोकनगर जिले के एक खरीदी केंद्र में चल रही थी। मामला जिला कलेक्टर के पास तक पहुंचा, तो उन्होंने तुरंत बड़ी कार्रवाई की। समिति प्रबंधक और पटवारी निलंबित हो गए। दरअसल, अशोक नगर जिले में गेहूं उपार्जन में खरीदी केंद्रों पर लगातार अनियमित्ताओं की शिकायतें मिल रहीं थी। इसी को लेकर शुक्रवार को कलेक्टर आदित्य सिंह ने ईसागढ़ ब्लॉक के दो खरीदी केंद्र सेवा सहकारी समिति पिपरेसरा मर्यादित ईसागढ़ अंतर्गत राम वेयरहाउस और बालाजी वेयरहाउस ग्राम कदवाया का शुक्रवार को निरीक्षण किया।

निरीक्षण

निरीक्षण के दौरान उन्होंने सेवा सहकारी समिति पिपरेसरा के अंतर्गत गेहूं का उपार्जन का भंडार बालाजी वेयर हाउस में किए जाने के संबंध में जानकारी ली। साथ ही बारदानों में उपार्जित गेहूं की तौल कराई गई। तौल कराए जाने पर एक बोरी का वजन कम पाया गया। उन्होंने निर्देशित किया कि उपार्जन कार्य का समय-समय पर निरीक्षण नहीं करने पर ईसागढ़ एसडीएम ,तहसीलदार, केंद्र प्रभारी को कारण बताओं सूचना पत्र जारी किए जाने संबंधी निर्देश दिए गए।

निरीक्षण प्रतिवेदन प्रस्तुत किए जाने के निर्देश दिए

निरीक्षण के दौरान उन्होंने एसडीएम से सेवा सहकारी समिति ईसागढ़ अंतर्गत दोनों वेयर हाउसों का निरीक्षण प्रतिवेदन प्रस्तुत किये जाने के निर्देश दिए। इस दौरान फसलों की तुलाई के लिए समिति में आने वाली उपज की ऑनलाइन एंट्री और ऑनलाइन पर्ची दिए जाने संबंधी कार्य में लापरवाही पाए जाने पर सर्वेयर के विरुद्ध कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने एफ।ए।क्यू की गुणवत्ता की जांच के संबंध में सर्वेयर से और किसानों से उपार्जित की गई फसलों के बारे में विस्तार से जानकारी ली। साथ ही कलेक्टर ने फसल तुलाई की संपूर्ण प्रक्रिया की जांच कर पंचनामा बनवाए जाने के निर्देश तहसीलदार को दिए। उन्होंने वेयर हाउस में उपस्थित कृषकों से पेयजल, छाया, बैठने, फसल तुलाई और भुगतान के संबंध में विस्तार से जानकारी चाही है।

गर्लफ्रेंड ने शादी के मंडप से दूल्हे को उठाया, दुल्हन से बोली : ये मेरा लवर

राजगढ़। मध्य प्रदेश के राजगढ़ में हुए एक सामूहिक विवाह सम्मेलन में जमकर बवाल हुआ। आधी रात को अपनी सहेलियों के साथ पहुंची एक महिला कांस्टेबल ने एक दूल्हे को मंडप से उठा लिया और कहने लगी कि यह (दूल्हा) मुझसे शादी कर चुका है। इसके बाद वह उसे लेकर अपने साथ ले आई। दुल्हन को वापस अपने घर गांव लौटना पड़ा। दूल्हे के दोस्तों ने उसकी शादी की फोटो अपने स्टेटस पर लगाए थे, जिसे देखकर कांस्टेबल मंडप में पहुंची थी। राजगढ़ में एक सामूहिक विवाह सम्मेलन चल रहा था। सभी जोड़ों के सात फेरे हो गए थे। इस दौरान दूल्हा-दुल्हन मंडप में बैठे हुए थे। इन्हीं में से एक जोड़ा दूल्हा अजय और उनकी परसूखेड़ी गांव में रहने वाली दुल्हन का भी था। सात फेरे के बाद दोनों लोग खुशी-खुशी मंडप में बैठकर शादी की अगली रस्में निभा रहे थे कि इसी दौरान एक महिला कांस्टेबल अपनी सहेलियों के साथ मंडप में पहुंच गई और उसने मंडप से ही दूल्हे अजय को उठा लिया और कहा कि यह मुझसे शादी कर चुका है। शादी में बवाल होता देख सभी लोग घबरा गए और आखिरकार भोपाल से आई महिला कांस्टेबल दूल्हे को अपने साथ ले गई। जिसके बाद दुल्हन को वापस अपने घर गांव लौटना पड़ा। लड़की पक्ष का कहना है कि इसमें लड़के की गलती है। हमें इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई। उसने पहले शादी कर ली थी तो छुपकर दूसरी शादी क्यों कर रहा था, जबकि साल भर पहले दोनों की सगाई हुई थी। दूल्हे के भोपाल से कुछ दोस्त भी शादी में शामिल होने आए थे। दोस्तों ने शादी के फोटो अपने स्टेटस पर लगा लिए। जिसे महिला कांस्टेबल ने देख लिए। तभी वह अपनी कुछ साथियों के साथ कार से ढूंढ़ते-ढूंढ़ते सम्मेलन में पहुंच गई। शहर में कई जगह एक साथ शादी सम्मेलन हो रहे थे तो रास्ते भर कई सम्मेलनों में ढूंढा।

सांपों की गिनती को लेकर वन विभाग असमंजस में

अब डब्ल्यूआईआई को दिशा निर्देश के लिए लिखेगा पत्र

संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री के प्रदेश में सांपों की संख्या तय करने के लिए उनकी गिनती कराने की मंशा जाहिर किए जाने के बाद वन विभाग उलझन में है। दरअसल, सांपों की गणना को लेकर न तो कोई स्थापित वैज्ञानिक पद्धति है और न ही अब तक दुनिया में इस तरह की कोई व्यापक पहल हुई है। यही कारण है कि विभाग फिलहाल इस मुद्दे पर स्पष्ट दिशा-निर्देश पाने के लिए भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यूआईआई) से संपर्क करने की तैयारी में है।

गणना

वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि वह इस मामले में डब्ल्यूआईआई को एक आधिकारिक पत्र भेजा जाएगा, जिसमें पूछा जाएगा कि सांपों की गणना किन वैज्ञानिक तरीकों से की जा सकती है और क्या यह संभव भी है या नहीं। विशेषज्ञों के अनुसार, सीमित या नियंत्रित क्षेत्रों- जैसे एक हेक्टेयर तक में सांपों की अनुमानित संख्या आंकी जा सकती है, लेकिन राज्य जैसे व्यापक भौगोलिक क्षेत्र में यह कार्य अत्यंत जटिल और लगभग असंभव है। वन्यजीव विशेषज्ञों का कहना है कि सांप गुप्तचर और अक्सर भूमिगत जीवन जीने वाले जीव हैं, जिनकी गतिविधियों को ट्रैक करना बेहद कठिन होता है। सांपों की उपस्थिति और घनत्व को लेकर आमतौर पर अप्रत्यक्ष सर्वेक्षण विधियों जैसे कैमरा ट्रैप, पर्यवेक्षण व रिपोर्टिंग

सिस्टम, और डीएनए सैंपलिंग का सहारा लिया जाता है, लेकिन ये सभी विधियां भी सीमित दायरे में ही कारगर होती हैं। वन्यजीव विशेषज्ञों के अनुसार, सांप छिपकर रहने वाले और रात्रिचर जीव हैं, जिनकी उपस्थिति को ट्रैक करना बेहद चुनौतीपूर्ण होता है। कुछ सीमित प्रयास जरूर हुए हैं-जैसे कि ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील और अफ्रीका के कुछ हिस्सों में संरक्षित क्षेत्रों में सांपों की आबादी का आकलन करने के लिए कैमरा ट्रैप, रेडियो टेलीमेट्री और पर्यवेक्षण पद्धतियों का उपयोग किया गया है। लेकिन ये प्रयास भी स्थानीय और नियंत्रित क्षेत्रों तक ही सीमित रहे हैं। भारत में भी कुछ संरक्षित क्षेत्रों जैसे साइलेंट वैली (केरल) या काजीरंगा (असम) में सांपों की विविधता का अध्ययन किया गया है, लेकिन यह संख्या-आधारित नहीं बल्कि प्रजाति विविधता और उपस्थिति पर केंद्रित रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि सांपों की गिनती के लिए कोई सटीक प्रत्यक्ष पद्धति उपलब्ध नहीं है। हालांकि, अप्रत्यक्ष आकलन जैसे डीएनए मेटाबारकोडिंग, स्कैट विश्लेषण और पर्यावरणीय डीएनए के माध्यम से उनकी उपस्थिति का पता लगाया जा सकता है, लेकिन ये भी महंगे और तकनीकी रूप से जटिल विकल्प हैं।

एक करोड़ के घोटाले के बाद रोड पर पड़े मिला सरकारी रिकॉर्ड

संवाददाता ● शिवपुरी

मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के खनियाधाना विकासखंड में सामने आए एक करोड़ रुपये के घोटाले का मामला तूल पकड़ा हुआ है। प्रदेश की राजधानी भोपाल तक में इस घोटाले को लेकर चर्चा हो रही है। वहीं, अब इसी क्षेत्र से एक शामावि मुहांरीकलां का सरकारी रिकॉर्ड सड़क पर बिखरा पड़ा हुआ बरामद किया गया है, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। सड़क पर बिखरे पड़े इस रिकॉर्ड में शिक्षकों की सर्विस बुक से लेकर कई संवेदनशील दस्तावेज धूल खाते नजर आ रहे हैं। बताना जरूरी है कि अब से एक दिन पहले खनियाधाना विकासखंड के ब्लॉक शिक्षा अधिकारी दफ्तर में एक करोड़ रुपये के गबन का मामला सामने आया है। इस मामले में जिला कलेक्टर शिवपुरी ने 6 कर्मचारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार अधिनियम के तहत शासन से पैसों की धोखाधड़ी करने का मामला दर्ज करवाया है। जिसकी जांच अभी भी जारी है। बावजूद इसके इसी क्षेत्र से शिक्षा विभाग के एक स्कूल के रिकॉर्ड को सड़क पर इस तरह पाया जाना अपने आप में कई सवाल खड़े कर रहा है। जानकारी में सामने आया है कि स्कूल के पीछे सुबह 7:30 के करीब बोरियों में भरा हुआ स्कूल का रिकॉर्ड स्थानीय ग्रामीणों की नजर में आया। उन्होंने इस रिकॉर्ड का वीडियो बनाया। सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।

चर्चा

रिकॉर्ड में कई संवेदनशील दस्तावेज

बोरियों में भरे हुए इस रिकॉर्ड में कई संवेदनशील दस्तावेज बताए गए हैं, जो इस तरह से स्कूल के पीछे सड़क पर पड़े हुए नजर आ रहे हैं। इस मामले को लेकर जिला शिक्षा अधिकारी से लेकर कोई भी जिम्मेदार अधिकारी कुछ भी बोलने को तैयार नहीं है यह मामला क्या है? और किस तरह के दस्तावेज सड़क पर बरामद किए गए हैं इस संबंध में फिलहाल शिक्षा विभाग की तरफ से कोई सफाई भी नहीं आई है हमने कई बार जिला शिक्षा अधिकारी समर सिंह राठौर से फोन पर संपर्क कर मामले की जानकारी लेना चाहि लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया।

130 रुपए की खिचड़ी में मक्खी निकलने पर 15 हजार जुर्माना

संवाददाता ● भोपाल

उपभोक्ता फोरम ने भोपाल के एक ढाबे पर 15 हजार का जुर्माना लगाया है। दूषित खिचड़ी परोसने के मामले में एक कॉस्ट्यूमर ने याचिका लगाई थी। जिसपर सुनवाई के दौरान उपभक्ता फोरम ने ढाबे को दोषी पाया। फोरम ने न सिर्फ खिचड़ी की कीमत 130 रुपए लौटाने को कहा, बल्कि 15 हजार रुपए क्षतिपूर्ति देने का भी आदेश दिया है। दरअसल, भोपाल के गौतम नगर निवासी अभिषेक दीक्षित ने ऑनलाइन फूड डिलेवरी एप स्विगी से 25 मई 2024 को वृंदावन ढाबा से बटर खिचड़ी और लस्सी मंगवाई थी। जब उन्होंने पार्सल खोला, तो खिचड़ी में मरी हुई मक्खी निकली। अभिषेक ने इसकी शिकायत स्विगी और ढाबा संचालक से की। लेकिन दोनों ने ही जवाबदारी नहीं ली और कोई संतुष्ट जवाब नहीं दिया। अभिषेक ने ढाबे पर संपर्क कर उन्हें शिकायत की और स्विगी पर ईमेल से आपत्ति दर्ज कराई लेकिन दोनों ही पक्षों ने जिम्मेदारी नहीं ली। स्विगी ने तो यह कहकर पल्ला झाड़ लिया कि उन्होंने होटल को भुगतान कर दिया है, इसलिए अब उनकी कोई जिम्मेदारी नहीं है। लेकिन कॉस्ट्यूमर ने उपभोक्ता फोरम में शिकायत की है जिसके बाद अब ढाबा के खिलाफ एक्शन हुआ है। इस मामले में उपभोक्ता फोरम ने सुनवाई के बाद वृंदावन ढाबे को खाने में मरी हुई मक्खी मिलने का दोषी पाया। फोरम ने अपने फैसले में कहा कि यह होटल की लापरवाही है। वहीं, स्विगी को सिर्फ खाना पहुंचाने का माध्यम माना इसलिए उसकी जिम्मेदारीतयनहींकी। कॉस्ट्यूमर की शिकायत के बाद उपभोक्ता फोरम में जांच में दोषी पाई जाने पर वृंदावन ढाबे के खिलाफ एक्शन लिया है। फोरम ने कॉस्ट्यूमर को खिचड़ी के 130 रुपए लौटाने के साथ ही 15 हजार रुपए देने की बात कही है।

आज 40 जिलों में बारिश का अलर्ट, तीन दिन जारी रहेगा बदलाव

दो सिस्टम एक्टिव होने से बदला मौसम

संवाददाता ● भोपाल

मध्य प्रदेश में साइक्लोनिक सकुर्लेशन और वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव होने की वजह से मौसम में लगातार परिवर्तन देखने को मिल रहा है। शनिवार को भी मौसम विभाग ने प्रदेश 40 जिलों में बारिश-आंधी का अलर्ट जारी किया है। इनमें से 7 जिले- सतना, मैहर, कटनी, उमरिया, शहडोल, डिंडौरी और अनूपपुर में ओले भी गिर सकते हैं। वहीं भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर, भिंड, मुरैना, श्योपुर, दतिया, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, नीमच, मंदसौर, आगर-मालवा, राजगढ़, शाजापुर, विदिशा, रायसेन, सागर, नर्मदापुरम, पांढुर्णा, छिंदवाड़ा, नरसिंहपुर, दमोह, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सिवनी, मंडला, बालाघाट, रीवा, मऊगंज, सीधी और सिंगरौली में गरज-चमक और बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने संभावना जताई है कि अगले तीन दिन तक ऐसा ही मौसम बना रहेगा।

मौसम

शुक्रवार को इंदौर और उज्जैन संभाग के जिलों में गर्मी का असर देखा गया। रतलाम सबसे गर्म रहा। यहां दिन का तापमान 44.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। नरसिंहपुर में 43.6 डिग्री, खंडवा में 43.1 डिग्री, खरगोन में 43 डिग्री, धार में 42.4 डिग्री, शाजापुर-रायसेन में 42.2 डिग्री, शिवपुरी में 42 डिग्री, बैतूल में 40.8 डिग्री, नर्मदापुरम में 40.1 डिग्री और दमोह में पारा 40 डिग्री सेल्सियस रहा। बड़े शहरों की बात करें तो भोपाल में 41.6 डिग्री, इंदौर में 41.4 डिग्री, ग्वालियर में 36.6 डिग्री, उज्जैन में 41.5 डिग्री और जबलपुर में तापमान 38.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं भिंड में तेज हवा के साथ बारिश हुई। मुरैना में भी तेज बारिश हुई। ग्वालियर में भी हल्की बरसात हुई।

बदला प्रदेश का मौसम

मौसम विभाग की सीनियर वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया, साइक्लोनिक सकुर्लेशन (चक्रवात) और वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) के एक्टिव होने से मध्यप्रदेश में ओले-बारिश का दौर जारी है। अगले कुछ दिन तक ऐसा ही मौसम बना रहेगा। शनिवार को 40 जिलों में बारिश अलर्ट जारी किया गया है। इसके साथ ही इंदौर, उज्जैन, सीहोर, देवास, हरदा, बैतूल, बुरहानपुर, खरगोन, बड़वानी, धार, खंडवा, अलीराजपुर, झाबुआ, रतलाम और बड़वानी में गर्मी का असर रहेगा।

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!
दैनिक आदित्य भारत
सदैव सत्य के साथ...
इंदौर, रविवार, 04 मई, 2025
www.adityabharat.com

सलमान ने पहली मुलाकात में कहा, तुम में कोई बात...

नन्ही सी थीं, जब घर छोड़कर भागना पड़ा। पेरेंट्स ने महज एक सूटकेस के साथ इस उम्मीद में घर छोड़ा था कि कुछ दिनों की बात है। लेकिन 35 साल हो गए, वो आज तक कश्मीर नहीं लौट पाए। कश्मीर में इनके पास एक बड़ा सा घर और असीम खुला आसमान था। लेकिन दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु में परिवार एक कमरे तक सिमट गया। जीरो से शुरुआत कर मां-बाप ने जैसे-तैसे अच्छी परवरिश दी। पूरी कर फिल्म इंडस्ट्री में आईं तो पहली फिल्म से फ्लॉप का ठप्पा लग गया। लोगों ने काम देने से इनकार कर दिया। इस दौरान टूटी-बिखरी, एक्टिंग छोड़ने का भी सोचा लेकिन फिर खुद को समेटकर टिके रहने का फैसला किया। इन्हें इनके फैसले का नतीजा भी मिला। मैं कश्मीर पंडित हूं। बस एक महीने की थी, जब मेरी फैमिली को कश्मीर से अपना सबकुछ छोड़कर भागना पड़ा था। मेरी मां वहां एक स्कूल में प्रिंसिपल थीं। वहां से आने के बाद मेरा जीवन दिल्ली, बेंगलुरु और मुंबई में बीता। हम लोग कश्मीर से भागे थे इसलिए मेरे पेरेंट्स का फोकस मेरी पढ़ाई पर रहा। उन्होंने अपने बच्चों की एजुकेशन पर बहुत ध्यान दिया ताकि हम लाइफ में कहीं पीछे न छूट जाएं। मैंने जेवियर्स से बीबीएम की पढ़ाई की है। कॉलेज के दौरान ही मैं यूटीवी के साथ इंटर्नशिप कर रही थी। पढ़ाई खत्म करने बाद मैं यूटीवी के साथ दो-तीन साल तक काम करने वाली थी। इसके बाद मैं एमबीए करने वाली थी। मैंने अपनी लाइफ को लेकर पूरा प्लान बना रखा था। लेकिन लाइफ और किस्मत को कुछ और ही मंजूर था।

करीना ने शेयर किया स्टीवन स्पीलबर्ग से मुलाकात का किस्सा

मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में WAVES 2025 आयोजित है। समिट के दूसरे दिन एक्ट्रेस करीना कपूर पैनल डिस्कशन का हिस्सा बनीं। इस दौरान एक्टर विजय देवरकोंडा उनके साथ मौजूद थे। इस सेशन के मॉडरेटर करण जौहर थे। करण जौहर ने सिनेमा के ग्लोबल इम्पैक्ट और नार्थ-साउथ कौलेबेरशन किस तरह भारत में सिनेमा के फ्यूचर को आकार दे सकता है, इस टॉपिक पर बातचीत की शुरुआत की। बातचीत के दौरान करण जौहर ने करीना कपूर से पूछा कि वो कभी हॉलीवुड फिल्मों के पीछे क्यों नहीं गई? जबकि उनके समय की कई एक्ट्रेस इसके लिए कोशिश करती रही हैं। करण के इस सवाल का जवाब देते हुए करीना कहती हैं- 'चेज करना मेरी पर्सनैलिटी का हिस्सा नहीं है। अगर ऐसा होना है तो होगा ही। मैं जानती हूं, समय बदल रहा है। कौन जानता है, हिंदी-अंग्रेजी फिल्म बन जाए। यहां तक कि स्टीवन स्पीलबर्ग भी हमारी हिंदी फिल्में देख रहे हैं। करीना ने हॉलीवुड फिल्ममेकर स्टीवन स्पीलबर्ग से जुड़ा एक किस्सा शेयर किया, जब डायरेक्टर ने उन्हें पहचान लिया और उनकी तारीफ की। वो कहती हैं- 'मैं दरअसल एक रेस्टोरेंट में थी। मैं कहीं ट्रैवल कर रही थी। स्टीवन स्पीलबर्ग भी उसी रेस्टोरेंट में खाना खा रहे थे। यह कई साल पहले की बात है, जब 3 इडियट्स रिलीज हुई थी। वह मेरे पास आये और मुझसे पूछा, क्या आप वही लड़की हैं, जो तीन छात्रों वाली उस फेमस इंडियन फिल्म में थीं?' मैंने जवाब में कहा, हां, वह मैं ही हूं। उनका रिएक्शन था, 'ओह गॉड। मुझे वह फिल्म बहुत पसंद आई।' अपनी बात को पूरा करते हुए करीना मुस्कुराते हुए कहती हैं, 'मुझे उन्हें दिखाने के लिए किसी अंग्रेजी फिल्म में काम करने की जरूरत नहीं थी। उन्होंने '3 इडियट्स' देखी। यह हमारे लिए एक सुखद पल था।' बता दें कि साल 2013 में स्टीवन स्पीलबर्ग ने एक इंटरव्यू में बताया था कि 'थ्री इडियट्स' उन चुनिंदा भारतीय फिल्मों में है, जिसे उन्होंने तीन बार देखी है। उन्हें फिल्म का इमोशनल सीन्स बहुत अच्छे लगे थे।

काजल त्रिपाठी और करिश्मा कक्कड़ का लोकगीत 'झुमका दिहलका इयार के' रिलीज

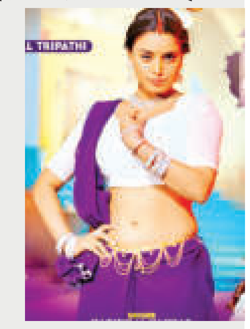

अभिनेत्री काजल त्रिपाठी और गायिका करिश्मा कक्कड़ का लोकगीत 'झुमका दिहलका इयार के' रिलीज हो गया है। करिश्मा कक्कड़ के साथ काजल त्रिपाठी भोजपुरी लोकगीत 'झुमका दिहलका इयार के' लेकर आई हैं, जिसे वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है। काजल त्रिपाठी ने कहा कि 'इस गाने की मेकिंग और टेकिंग कमाल की गई है। इस गाने में मस्ती और शरारत है,जिसकी शूटिंग करके मुझे बहुत मजा आया था। इतना अच्छा गाना बनाने के लिए रत्नाकर कुमार सर को दिल से धन्यवाद देती हूं। इस गाने को अपना प्यार देने के लिए सभी को दिल से थैंक्यू!' करिश्मा कक्कड़ ने कहा कि 'मुझे खुशी है कि इतना अच्छा गाना गाने का मुझे मौका मिला। मेरा गाया हुआ यह भोजपुरी लोकगीत बहुत ही बेहतरीन बनाया गया है। इसका ऑडियो और वीडियो श्रोताओं को पसंद करने के लिए दिल से धन्यवाद देती हूं।' वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स प्रस्तुत भोजपुरी लोकगीत 'झुमका दिहलका इयार के' के निर्माता रत्नाकर कुमार हैं। इस गीत को करिश्मा कक्कड़ ने गाया है। इस गाने में काजल त्रिपाठी नजर आ रही हैं। इस गाने को सूरज सिंह ने लिखा है, जबकि संगीतकार विक्की वॉक्स हैं। वीडियो डायरेक्टर सुनील बाबा, डीओपी गौरव राय एंड रंजन, कोरियोग्राफर रौनक शाह, एडीटर आलोक गुप्ता है। डीआई रोहित सिंह, प्रोडक्शन पंकज सोनी ने किया है। इस गाने का ऑल राइट वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स के पास है।

शाहरुख, कियारा के साथ मेट गाला में नजर आएंगी प्रियंका

बॉलीवुड के गलियारों में मेट गाला की चर्चा शुरू हो गई है। शाह रुख खान और कियारा आडवाणी के मेट गाला डेब्यू की जानकारी ने फैंस को एक्साइटेड कर दिया है। बॉलीवुड के किंग खान का जादू रेड कार्पेट पर देखने के लिए फैंस बेसब्र हैं। इस बीच कुछ लोगों के मन में सवाल है कि क्या पॉपुलर एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा इस इवेंट में वापसी करेंगी या नहीं। इससे जुड़ी रोचक डिटेल्स सामने आ चुकी है। 5 मई को न्यूयॉर्क के मेट्रोपॉलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट में मेट गाला होने वाला है। फिल्मी दुनिया से जुड़े चेहरे इसमें नजर आते हैं और सभी की नजरें स्टार्स की ड्रेस पर अटक जाती है। प्रियंका चोपड़ा इस पॉपुलर फैशन इवेंट में चार पार नजर आ चुकी हैं और अब देखना दिलचस्प होगा कि एक्ट्रेस पांचवीं बार इस इवेंट में नजर आएंगी या नहीं। मिड डे की रिपोर्ट के मुताबिक, प्रियंका चोपड़ा मेट गाला में पांचवीं बार शामिल होंगी। इस बार एक्ट्रेस मशहूर डिजाइनर Balmain के ओलिवियर रूस्तेंग के साथ मेट गाला 2025 में हिस्सा लेंगी। बताया जा रहा है कि एक्ट्रेस की आउटफिट के साथ हर किसी का ध्यान उनकी ज्लेवरी पर भी रहेगा, क्योंकि वह Bulgari की नई हाई ज्वेलरी कलेक्शन के साथ अपनी लुक को कंप्लीट करेंगी। एक्ट्रेस का लुक सिनेमा की रॉयल्टी और फैशन की ताकत का बेहतरीन मेल दिखाएगा। इस साल मेट गाला की थीम 'Superfine: Tailoring Black Style' रखी गई है, जो मोनिका एल. मिलर की पॉपुलर किताब से प्रेरित है। हर साल की तरह इस बार भी मेट गाला में सिनेमा से जुड़े स्टार्स को स्टाइलिश आउटफिट में देखा जाएगा। इसके अलावा, पेंटिंग्स, फोटोग्राफ्स और बहुत कुछ शामिल होगा। प्रियंका चोपड़ा एसएस राजामौली की फिल्म पर काम कर रही हैं। वहीं, बात हॉलीवुड की करें, तो एक्ट्रेस सिटाडेल सीरीज के नए सीजन की शूटिंग में बिजी चल रही हैं। इसके अलावा भी प्रियंका चोपड़ा के पास कई अन्य बड़े प्रोजेक्ट्स हैं।

बॉक्स ऑफिस पर रहेगा खिलाड़ी कुमार का कब्जा!

'केसरी 2' ने 15वें दिन की मोटी कमाई

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार के लिए साल 2025 लकी साबित हुआ है। स्काई फोर्स के बाद केसरी 2 एक्टर की दूसरी फिल्म है, जो बॉक्स ऑफिस पर बेहतरीन कलेक्शन कर रही है। इससे पहले पिछले कई साल तक एक्टर की फिल्में लगातार फ्लॉप हुई थी। खैर, इस साल खिलाड़ी कुमार कई अन्य फिल्में लेकर भी आ रहे हैं। बात केसरी चैप्टर 2 की करें, तो बॉक्स ऑफिस पर फिल्म का अच्छा प्रदर्शन जारी है। आइए जानते हैं कि 15वें दिन मूवी में कितने करोड़ का कलेक्शन किया है। केसरी चैप्टर 2 की कहानी जलियांवाला बाग हत्याकांड पर आधारित है। इसमें अक्षय कुमार ने वकील सी शंकरन नायर की भूमिका अदा की है। इस रोल को बेहतरीन ढंग से बड़े पर्दे पर अदा करने के लिए सिनेमा लवर्स ने एक्टर की तारीफ भी की है। आर माधवन

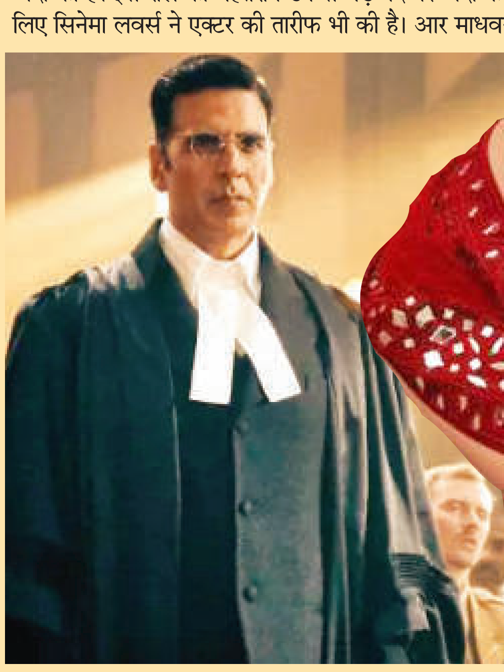

और अनन्या पांडे के काम को भी सराहा गया है। फिल्म को मिल रही तारीफों का असर है कि धीमी शुरुआत के बाद भी कलेक्शन ने समय के साथ बॉक्स ऑफिस पर मजबूत पकड़ बनाई। इतना ही नहीं, कमाई के मोर्च पर करण सिंह त्यागी की निर्देशित केसरी चैप्टर 2 ने गोपीचंद मलिनेनी की निर्देशित जाट को टक्कर दी है। करण जौहर की प्रोड्यूस की गई केसरी चैप्टर 2 ने 7.75 करोड़ से बॉक्स ऑफिस पर शुरुआत की। पहले सप्ताह में फिल्म ने 46.1 करोड़ का कलेक्शन किया। वहीं, दूसरे सप्ताह में मूवी ने 28.65 करोड़ की कमाई की। तीसरे सप्ताह में प्रवेश करने के बाद फिल्म की कमाई में थोड़ी गिरावट देखने को मिली है, लेकिन संभावना है कि वीकेंड पर कलेक्शन में एक बार फिर बढ़ोतरी हो सकती है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार, खबर लिखे जाने तक अक्षय कुमार और आर माधवन स्टारर फिल्म ने 86 लाख का कलेक्शन किया है। हालांकि, इस आंकड़े में बदलाव हो सकता है। वहीं, कुल कलेक्शन की बात करें, तो फिल्म 15 दिनों के अंदर 75.61 करोड़ कमा चुकी है।

जब विराट ने ट्रिक अपनाकर लिया था तमन्ना का फोन नंबर

क्रिकेटर विराट कोहली खेल जगत के दिग्गज हैं। लेकिन उनका मनोरंजन जगत से भी गहरा नाता है। विराट ने कई बॉलीवुड एक्ट्रेसेज के साथ एड शूट किए हैं। साल 2013 में एक शैम्पू के विज्ञापन के सेट पर विराट की मुलाकात अपनी होने वाली पत्नी और अभिनेत्री अनुष्का शर्मा से हुई थी। ठीक एक साल पहले ही विराट ने एक और मशहूर बॉलीवुड हसीना के साथ एक मजेदार विज्ञापन में काम किया था, जो अब सोशल मीडिया पर फिर से छाया हुआ है। हम बात कर रहे हैं किंग कोहली और खूबसूरत तमन्ना भाटिया की। यह क्लिप इस समय ऑनलाइन वायरल हो रही है और फैंस तमन्ना और विराट की नई केमिस्ट्री को देखकर दंग रह गए हैं। एक मिनट लंबे इस विज्ञापन की शुरुआत विराट कोहली के अपने दोस्तों के साथ एक रेस्टोरेंट से होती है। कुछ दूरी पर तमन्ना भाटिया अकेले बैठी हुई हैं, जो किसी फोन कॉल में व्यस्त हैं। तभी एक आदमी उनके पास आता है और उन्हें पटकने की कोशिश करता है, लेकिन उसे थप्पड़ पड़ जाता है। विराट फिर कहते हैं, 'मेरे पास तो लड़की पटाने के दो दो आइडिया हैं।' उनके दोस्त उन्हें चिढ़ाते हैं लेकिन विराट अपनी एक तरकीब दिखाते हैं। क्रिकेटर अपना फोन कुर्सी में छिपा देते है और ऐसे बर्ताव करते हैं जैसे वो कुछ ढूंढ़ रहे हैं। जब तमन्ना उनसे पूछती है कि क्या हुआ,तो विराट कहते हैं कि उनका फोन खो गया है एक कॉल कर सकती हैं क्या? तमन्ना जैसे ही कॉल करती है विराट को उनका नंबर मिल जाता है। इसमें आपका नंबर है। क्या मैं इसे डिलीट कर दूं?' तमन्ना मुस्कुराती है और कहती है कि ठीक है।

मां-बाप का भी लिहाज नहीं करती सोफिया बर्थडे पर पार की सारी हदें

ऐसी हालत में काटा केक!

सोफिया अंसारी को आज कौन नहीं जानता है। इस वक्त उनको सोशल मीडिया पर पसंद करने वालों की संख्या लाखों में हैं। ऐसे में उन्होने लाज शर्म अपने से कोसों दूर रखा है। सभी जानते हैं कि बोल्ड और हॉट अंदाज में रिवीलिंग कपड़े पहनकर सामने आना और वीडियोज बनाना ही उनकी यूएसपी है। लेकिन अब उनको लेकर लोग हैरान इसलिए हैं क्योंकि वो अपने काम पर ही नहीं बल्कि परिवार वालों के सामने भी काफी बोल्ड हैं। दरअसल सोफिया अंसारी का जन्मदिन था और इस मौके पर उन्होने केक काटा है। ऐसे में सोफिया अकेली नहीं थीं बल्कि उनका परिवार भी एक साथ नजर आ रहा है। उनके अगल बगल मम्मी और पापा भी बैठे नजर आ रहे हैं। सोफिया अंसारी की कुछ तस्वीरें और वीडियोज सीधे उनके बर्थडे बैश से वायरल हो रहे हैं। इस दौरान केक कटिंग से पहले जो तस्वीरें ली गई हैं उनमें उनके माता पिता भी बैठे नजर आ रहे हैं। सारी शर्म हया छोड़कर सोफिया अंसारी ने उनके सामने बेहद रिवीलिंग ड्रेस पहनी थी। ऊपर और पैरों के पास से खुली इस ड्रेस में सोफिया अंसारी कयामत ढा रहीं थीं। उन्होने इन तस्वीरों के साथ कैप्शन लिखा, ''आभारी और खुश हूं कि मैं जीवित रही' और सभी के प्यार और शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद, आप सब हैं तो मेरी जिंदगी और खूबसूरत हैं, धन्य।'' सोफिया अंसारी की इन तस्वीरों पर लोग हमेशा की तरह कमेंट्स कर रहे हैं। सोफिया अंसारी का ये अनोखा अंदाज देखकर लोग कमेंट्स करने से खुद को नहीं रोक पाए हैं। एक यूजर ने लिखा है, ''दुआ है कि आप हमेशा खुश रहे हैं।

रॉकेट्स ने वॉरियर्स पर जीत के साथ गेम 7 को आगे बढ़ाया

ह्यूस्टन रॉकेट्स फॉरवर्ड एमेन थॉम्पसन (1) ने सैन फ्रांसिस्को में एनबीए बास्केटबॉल के पहले दौर के प्लेऑफ सीरीज के गेम 6 के दूसरे हाफ के दौरान गोल्डन स्टेट वॉरियर्स के सेंटर क्विंटन पोस्ट (21) और गार्ड स्टीफन करी (30) के बीच शॉट लगाया।

गुजरात के खिलाफ हार से सनराइजर्स की मुश्किलें बढ़ी

पर अब भी प्लेऑफ का रास्ता खुला

एजेंसी ● नई दिल्ली

गुजरात के खिलाफ हार से सनराइजर्स की उम्मीदों को झटका लगा है। हैदराबाद के 10 मैचों में तीन जीत और सात हार के साथ छह अंक हैं और वह तालिका में नौवें स्थान पर है। दूसरी ओर, गुजरात ने प्लेऑफ के लिए कदम बढ़ा लिए हैं और वह अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है।गुजरात टाइटंस के खिलाफ मिली हार के बाद सनराइझर्स हैदराबाद के लिए प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें लगभग समाप्त हो गई हैं, लेकिन वह अभी भी अगर-मगर के फेर में फंसी हुई है। यानी सनराइजर्स के लिए आगे की राह भले ही मुश्किल हो गई है, लेकिन प्लेऑफ का रास्ता पूरी तरह बंद नहीं हुआ है।

गुजरात ने शुक्रवार को अहमदाबाद में खेले गए मुकाबले में सनराइजर्ज को 38 रनों से हराया था।

गुजरात के खिलाफ हार से सनराइजर्स की उम्मीदों को झटका लगा है। हैदराबाद के 10 मैचों में तीन जीत और सात हार के साथ छह अंक हैं और वह तालिका में नौवें स्थान पर है। दूसरी ओर, गुजरात ने प्लेऑफ के लिए कदम बढ़ा लिए हैं और वह अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। गुजरात के 10 मैचों में सात जीत और तीन हार के साथ 14 अंक है। गुजरात ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में छह विकेट पर 224 रन बनाए थे, जवाब में सनराइजर्स की टीम 20 ओवर में छह विकेट पर 186 रन ही बना सकी।

सनराइजर्स को अगर प्लेऑफ की दौड़ में बने रहना है तो उसे अपने सभी चार मुकाबले जीतने होंगे। हालांकि, सिर्फ इतना करना ही पर्याप्त नहीं होगा क्योंकि सनराइजर्स को दूसरी टीमों के नतीजों पर भी निर्भर रहना होगा। सनराइजर्स को अपने शेष सभी मैच में बड़े अंतर से जीत दर्ज करनी होगी जिससे उसका नेट रन रेट बेहतर हो सके। अगर टीम ऐसा करने में सफल रही तो उसके 14 अंक हो जाएंगे। पिछले सीजन आरसीबी भी 14 अंकों के साथ प्लेऑफ में पहुंचने में सफल रही थी।

फिलहाल मुंबई, गुजरात और आरसीबी के 14-14 अंक है और पंजाब किंग्स 13 अंक लेकर चौथे स्थान पर है। अगर ये सभी चीजें संभव हुई तो सनराइजर्स के पास प्लेऑफ में जाने का मौका हो सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि इस स्थिति में सनराइजर्स, लखनऊ और गुजरात के 14-14 अंक होंगे और सनराइजर्स बेहतर नेट रन रेट के लिहाज से अंतिम चार में प्रवेश कर सकती है। हालांकि, यह इतना आसान नहीं है इसलिए सनराइजर्स के लिए प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें किसी चमत्कार से कम नहीं है।

गुजरात टाइटंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को 38 रनों से हराया

एजेंसी ● अहमदाबाद

गुजरात टाइटंस ने बल्लेबाजों के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर सनराइजर्स हैदराबाद को 38 रनों से हराया। इस जीत के साथ ही गुजरात ने प्लेऑफ के लिए कदम बढ़ा लिए हैं और वह तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। गुजरात टाइटंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को 38 रनों से हराया। गुजरात ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में छह विकेट पर 224 रन बनाए थे, जवाब में सनराइजर्स की टीम 20 ओवर में छह विकेट पर 186 रन ही बना सकी। हैदराबाद के लिए अभिषेक शर्मा ने 41 गेंदों पर चार चौकों और छह छक्कों की मदद से 74 रन बनाए, लेकिन उनकी पारी भी टीम को जीत नहीं दिला सकी। गुजरात की ओर से मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा ने दो-दो विकेट लिए, जबकि ईशांत शर्मा और गेराल्ड कोएट्जे को एक-एक विकेट मिले।

लक्ष्य का पीछा करते हुए ट्रेविस हेड और अभिषेक ने टीम को अच्छी शुरूआत दिलाई और दोनों ने पहले विकेट के लिए 49 रन जोड़े। प्रसिद्ध ने हेड को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा जो 20 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद ईशान किशन भी 13 रन बनाकर पवेलियन लौटे। हालांकि, अभिषेक और क्लासेन ने अच्छी साझेदारी निभाई और अभिषेक ने अर्धशतक भी पूरा किया, लेकिन ईशांत शर्मा ने अभिषेक को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ दिया। इसके बाद क्लासेन भी 23 रन बनाकर पवेलियन लौट गए।

सिराज ने फिर अनिकेत वर्मा को तीन रन बनाकर आउट किया और अगली गेंद पर कामिंदु मेंडिस को खाता खोले बिना पवेलियन भेजा। हालांकि, वह हैट्रिक पूरी नहीं कर सके। पैट कमिंस और नीतीश रेड्डी ने अंत में आक्रामक रवैया अपनाया, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। नीतीश 10 गेंदों पर एक चौका और दो छक्कों की मदद से नाबाद 21 रन और कमिंस 10 गेंदों पर एक चौका और एक छक्के के सहारे 19 रन बनाकर नाबाद लौटे।

सिराज ने कामिंदु हसरंगा को आउट कर सनराइजर्स को छठा झटका दिया। सिराज ने लगातार दूसरी गेंद पर विकेट लिया और उनके पास हैट्रिक लेने का मौका था, लेकिन वह ऐसा कर नहीं सके। कामिंदु खाता खोले बिना आउट हुए। मोहम्मद सिराज ने अनिकेत वर्मा को आउट कर हैदराबाद को पांचवां झटका दिया। हैदराबाद की आधी टीम 145 रन के स्कोर पर पवेलियन लौट गई है। अनिकेत तीन रन बनाकर आउट हुए। प्रसिद्ध कृष्णा ने हेनरिच क्लासेन को आउट कर सनराइजर्स हैदराबाद को चौथा झटका दिया।

मुंबई इंडियंस नहीं, गावस्कर ने इस टीम को बताया आईपीएल खिताब का प्रबल दावेदार

एजेंसी ● जयपुर

आरसीबी की टीम इस सीजन अलग ही लय में नजर आ रही है और एक टीम के तौर पर खेल रही है। आरसीबी के लिए अच्छी बात यह है कि वह दो-तीन खिलाड़ियों पर निर्भर नहीं है। उनके पास टिम डेविड, क्रुणाल पांड्या, भुवनेश्वर कुमार, देवदत्त पडिक्कल और जोश हेजलवुड के रूप में मैच विनर खिलाड़ी भी मौजूद हैं।भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को आईपीएल 2025 का चैंपियन बनने का प्रबल दावेदार बताया है। आरसीबी ने मौजूदा सीजन शानदार प्रदर्शन किया है और घर से बाहर अपने सभी मैच जीते हैं। आरसीबी की टीम 10 मैचों में सात जीत और तीन हार के साथ 14 अंक लेकर तालिका में तीसरे स्थान पर मौजूद है। आरसीबी की टीम इस सीजन अलग ही लय में नजर आ रही है और एक टीम के तौर पर खेल रही है। आरसीबी के लिए अच्छी बात यह है कि वह दो-तीन खिलाड़ियों पर निर्भर नहीं है। उनके पास टिम डेविड, क्रुणाल पांड्या, भुवनेश्वर कुमार, देवदत्त पडिक्कल और जोश हेजलवुड के रूप में मैच विनर खिलाड़ी भी मौजूद हैं। टीम के फॉर्म पर बोलते हुए गावस्कर ने कहा कि सिर्फ मुंबई इंडियंस ही ऐसी टीम है जो आरसीबी के ऑलराउंड स्ट्रेंग्थ के करीब है। उन्होंने हालांकि, आरसीबी को ही खिताब का प्रबल दावेदार बताया है।

गावस्कर ने स्पोर्ट्स टूडे से बातचीत में कहा, आरसीबी, उन्होंने अच्छी बल्लेबाजी की और शानदार फील्डिंग भी की। मुंबई इंडियंस करीब है, लेकिन उन्होंने अभी-अभी बढ़त हासिल की है। सवाल यह है कि क्या वे इसे बरकरार रख पाएंगे, क्योंकि उन्हें शीर्ष टीमों के खिलाफ तीन कठिन मैच खेलने हैं। वे इस लय को कैसे बनाए रखते हैं, यह महत्वपूर्ण होगा। लेकिन हां, आरसीबी निश्चित रूप से खिताब की प्रबल दावेदार है। आरसीबी ने अब तक अपने घरेलू मैदान पर सभी मुकाबले गंवाए है। आरसीबी के चार मैच शेष हैं जिसमे से दो ऐसी टीम के खिलाफ हैं जिन्हें वह आईपीएल 2025 में एक बार हरा चुकी है। आरसीबी के चार में से तीन मैच घरेलू मैदान पर खेले जाएंगे और चिन्नास्वामी में टीम के रिकॉर्ड को देखते हुए यह उनके लिए चुनौतीपूर्ण होने वाला है।

काली मिट्टी की पिच पर किस तरह गुजरात के बल्लेबाजों ने संभाला मोर्चा

एजेंसी ● अहमदाबाद

सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मिली जीत के बाद गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने बताया कि काली मिट्टी की पिच पर कभी भी रन बनाना आसान नहीं होता, लेकिन गुजरात के शीर्ष तीन बल्लेबाजों को मुश्किल पिचों पर खेलने की समझ है जिससे वह इस आईपीएल सीजन में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। गुजरात के लिए गिल, साई सुदर्शन और जोस बटलर की तिकड़ी ज्यादातर मैचों में बेहतर प्रदर्शन कर रही है। गुजरात टाइटंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को 38 रनों से हराया। गुजरात ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में छह विकेट पर 224 रन बनाए थे, जवाब में सनराइजर्स की टीम 20 ओवर में छह विकेट पर 186 रन ही बना सकी। गुजरात ने इस जीत के साथ ही प्लेऑफ के लिए कदम बढ़ा लिए हैं और वह अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। गुजरात के 10 मैचों में सात जीत और तीन हार के साथ 14 अंक है।

हैदराबाद के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए गिल और सुदर्शन ने जहां टीम को अच्छी शुरूआत दिलाई और पहले विकेट के लिए 87 रन जोड़े, वहीं सुदर्शन के आउट होने के बाद बटलर और गिल ने आक्रामक रवैया अपनाया। इन दोनों बल्लेबाजों ने अर्धशतक जड़े जिससे टीम का स्कोर

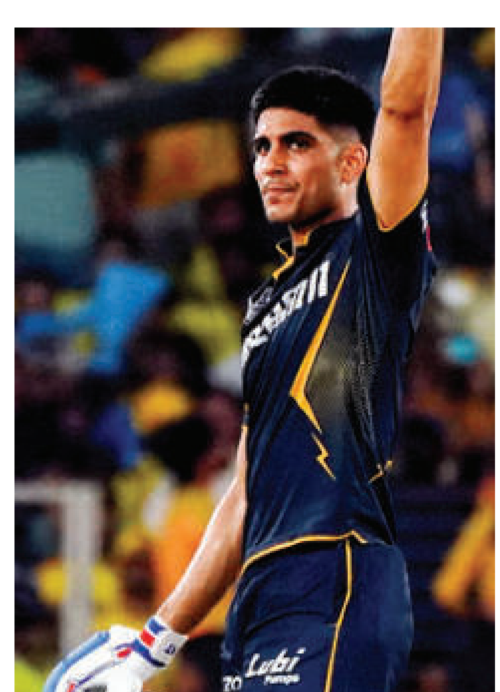

200 के पार पहुंचने में सफल रहा। लक्ष्य का पीछा करते हुए अभिषेक शर्मा और ट्रेविस हेड ने अच्छी शुरूआत दिलाई थी, लेकिन गुजरात के गेंदबाज लक्ष्य का बचाव करने में सफल रहे थे। गुजरात ने हैदराबाद के खिलाफ 20 ओवरों में सिर्फ 22 डॉट बॉल खेली। गिल ने इस बारे में कहा, हमने इसकी योजना नहीं बनाई थी। हम टूनामेंट में जैसे खेल रहे हैं उसे जारी रखना चाहते थे। काली मिट्टी की पिच पर हमने देखा है कि छक्के मारना आसान नहीं है, लेकिन जिस तरह से हमारा शीर्ष क्रम खेलता है, हम जानते हैं कि स्कोरबोर्ड को कैसे आगे बढ़ाना है। हमने कभी भी शीर्ष तीन में से किसी एक को हमेशा अंत तक खेलने के लिए नहीं कहा। हम बस अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के खुश है।

अंपायर के साथ बहस पर क्या बोले गिल?

हैदराबाद की पारी के दौरान गिल अपना आपा खो बैठे थे और उनकी अंपायर से तीखी बहस भी हुई थी। इस बारे में गिल ने कहा, बहुत सारी भावनाएं होती हैं, आप मैदान पर 110% देते हैं, कभी-कभी आप भावनाओं को दिखाने के लिए बाध्य होते हैं।

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!
दैनिक आदित्य भारत
सदैव सत्य के साथ...
इंदौर, रविवार, 04 मई, 2025
www.adityabharat.com

बेमौसम बारिश के मजे...

राजधानी दिल्ली में कल हुई बेमौसम बारिश और आंधी तूफान के चलते जहां आम जनता को परेशानी का सामना करना पड़ा, वहीं बच्चों ने इस बारिश का भरपूर लुत्फ उठाया। मौसम विभाग के मुताबिक आज भी राजधानी में तेज आंधी के साथ बारिश हो सकती है। विभाग के मुताबिक आगे भी लगभग एक हफ्ते ऐसा मौसम रह सकता है। तेज हवा और गरज-चमक के साथ बारिश होती रहेगी। इसके बाद मई में उत्तर भारत के कई हिस्सों में सामान्य से ज्यादा गर्मी की संभावना है।

वर्ल्ड प्रेस फ्रीडम इंडेक्स 2025

प्रेस आजादी के मामले में भारत दुनियाभर में 151वें स्थान पर

पेरिस ● एजेंसी

पेरिस स्थित इंटरनेशनल एनजीओ रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स (आरडब्ल्यूबी) के 'वर्ल्ड प्रेस फ्रीडम इंडेक्स- 2025' में भारत को 180 देशों में 151वीं रैंकिंग पर रखा गया है। इस लिस्ट में पिछले साल भारत की रैंकिंग 159 थी। इंडेक्स में इरीट्रिया सबसे निचले पायदान पर और नॉर्वे पहले पायदान पर है। भूटान, पाकिस्तान, तुर्किये, फिलिस्तीन, चीन, रूस, अफगानिस्तान, सीरिया और उत्तर कोरिया को भारत से नीचे रखा गया है। आरडब्ल्यूबी की रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ल्ड प्रेस फ्रीडम इंडेक्स के आज तक के इतिहास में इकोनॉमिक इंडिकेटर अपने सबसे निचले स्तर पर है। दुनिया भर का मीडिया फंडिंग की कटौती से जूझ रहा है। इंफर्मेशन के संसाधनों पर गूगल, एपल, फेसबुक, अमेजन और माइक्रोसॉफ्ट जैसी टेक कंपनियों के दबदबे की वजह से मीडिया को और ज्यादा आर्थिक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। पहले जो विज्ञापन मीडिया आउटलेट्स को मिलते थे अब उनका एक बड़ा हिस्सा इन टेक प्लेटफॉर्म्स को मिल रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कई देशों में मीडिया पर पॉलिटिकल नेताओं का कंट्रोल है। लेबनान, भारत, आर्मेनिया और बुल्गारिया जैसे देशों में मीडिया आउटलेट्स नेताओं और बिजनेसमैन से मिलने वाली सशर्त फंडिंग की वजह से अपना अस्तित्व बनाए हुए हैं।

रिपोर्ट

अमेरिका की रैंकिंग में भी गिरावट

रिपोर्ट में कहा गया है कि डोनाल्ड ट्रम्प के सत्ता में आने के बाद अमेरिका में भी प्रेस की स्थिति में गिरावट आई है। इंडेक्स में अमेरिका 57वें पायदान पर है, जबकि पिछले साल उसकी रैंकिंग 55 थी। वो 42 देश, जहां दुनिया की आधी से ज्यादा आबादी रहती है वहां प्रेस की स्थिति "बहुत गंभीर" है। इन देशों में प्रेस को लगभग न के बराबर आजादी है। यहां पत्रकारिता करना खतरे से खाली नहीं है।

गाजा जंग में 200 से ज्यादा पत्रकारों की मौत

रिपोर्ट में करीब 18 महीने से जंग से जूझ रहे फिलिस्तीन को 163वें पायदान पर रखा गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि गाजा में इजराइली सेना ने कई न्यूजरूम को पूरी तरह तबाह कर दिया है। 2023 में लड़ाई शुरू होने के बाद से अब तक गाजा में 200 से ज्यादा पत्रकार मारे जा चुके हैं। दूसरी तरफ चीन और वियतनाम जैसे देशों में मीडिया पर सरकार का या फिर सरकार के जुड़े संगठनों का कंट्रोल है। जो लोग स्वतंत्र पत्रकारिता करते हैं उन्हें लगातार खतरे का सामना करना पड़ता है। दूसरी तरफ विदेशी मीडिया संस्थानों को किसी भी समय ब्लैकलिस्ट कर दिया जाता है।

शॉर्ट न्यूज

पुणे में नमाज पर प्रस्ताव से विवाद

पुणे। पुणे के पास पौड गांव में कल दो समुदायों के बीच तनाव बढ़ गया। जहां स्थानीय ग्राम पंचायत ने एक विवादास्पद प्रस्ताव पारित कर गांव के बाहर के मुसलमानों को स्थानीय मस्जिद में नमाज अदा करने से रोक दिया। प्रस्ताव पारित होने के कुछ देर बाद पता चला कि मुस्लिम युवक ने गांव में शिवलिंग को अपवित्र किया है, जिससे स्थिति और बिगड़ गई। घटना के तुरंत बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण पौड पुलिस स्टेशन के बाहर इकट्ठा हो गए और तत्काल कार्रवाई की मांग करने लगे। विवाद बढ़ता देख पौड पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लिया। जिसके बाद ही लोग थाने से हटे। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। जांच के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। पौड पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक संतोष गिरिगोसवी ने घटना की पुष्टि की और कहा कि फिलहाल मामला दर्ज किया जा रहा है। आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है और आगे की जांच जारी है। जांच के बाद आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नागालैंड के दीमापुर में फर्जी डॉक्टर गिरफ्तार

दीमापुर। नागालैंड के दीमापुर में फर्जी डॉक्टर को गिरफ्तार किया। आरोपी के पास न तो मेडिकल डिग्री थी और न ही कोई पंजीकरण। नागालैंड मेडिकल काउंसिल की शिकायत पर कार्रवाई हुई है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है कि उसने कितने मरीजों को गुमराह किया। वहीं, नागरिकों से योग्य डॉक्टर की पुष्टि करने की अपील की गई है। दरअसल, पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ जांच में यह स्पष्ट हो गया कि आरोपी के पास न तो किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से चिकित्सा डिग्री है और न ही वह किसी भी राज्य मेडिकल काउंसिल में पंजीकृत है। दीमापुर के पुलिस आयुक्त ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि आरोपी कई मरीजों का इलाज कर चुका है और खुद को पेशेवर डॉक्टर बताकर वर्षों से जनता को गुमराह कर रहा था।

पीएम अल्बनीज की लेबर पार्टी और लिबरल-नेशनल गठबंधन में मुकाबला

पेरिस ● कैनबरा

ऑस्ट्रेलिया में आज 2025 के फेडरल चुनाव के वोट डाले जा रहे हैं। इस चुनाव में मुख्य मुकाबला वर्तमान प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज की लेबर पार्टी और विपक्षी नेता पीटर डटन के लिबरल-नेशनल गठबंधन के बीच है। ऑस्ट्रेलिया में हमारे देश की तरह ही दो सदन हैं। ऊपरी सदन को सीनेट और निचले सदन को हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स कहा जाता है। निचले सदन में बहुमत पाने वाली पार्टी या गठबंधन का नेता ही प्रधानमंत्री बनता है। इसकी 150 सीटों के लिए आज वोटिंग होनी है। इसका रिजल्ट 3 मई की रात या फिर 4 मई की सुबह तक आएगा। इसके साथ ही ऊपर सदन की 76 में से 40 सीटों के लिए भी वोटिंग होनी है। इस सदन में चुने गए सदस्यों का कार्यकाल 6 साल होता और हर 3 साल में आधे सदस्य बदल जाते हैं। देश में 28 मार्च 2025 को संसद भंग कर दी गई थी, जिसके बाद सरकार

केयरटेकर मोड में चली गई थी। इसके बाद 22 से 30 अप्रैल तक पोस्टल वोटिंग की गई।

चुनावी सर्वे में लेबर पार्टी को बढ़त चुनाव से पहले किए गए सर्वे में लेबर पार्टी को बढ़त दिखाई गई है। अनुमान है कि लेबर पार्टी 84 सीटें जीत सकती है, जबकि लिबरल गठबंधन को 47 सीटें मिल सकती है। अगर ऐसा होता है तो अल्बनीज दूसरी बार ऑस्ट्रेलिया का प्रधानमंत्री बनेंगे। हालांकि हंग पार्लियामेंट (त्रिशंकु संसद) का भी अनुमान लगाया जा रहा है, अगर ऐसा होता है और कोई भी पार्टी 76 सीटें नहीं जीत पाती है तब छोटे दलों को लेकर सरकार बनानी पड़ सकती है। 2010 में जूलिया गिलार्ड ने इसी तरह सरकार बनाई थी।

पाकिस्तानी सेना ने खींचे हाथ

पीओके में लॉन्च पैड खाली कर भागे आतंकी

पेरिस ● नई दिल्ली

बाइसरन घाटी में हुए आतंकी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर है। इस हमले के बाद भारत द्वारा सख्त कार्रवाई की आशंका से डरकर पाकिस्तान ने नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास अपने आतंकी लॉन्च पैड्स को खाली कर लिया है। पाकिस्तान की इस कार्रवाई को भारत के संभावित सैन्य जवाब से बचने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। पहलगाम हमले ने बढ़ाया तनावपहलगाम की बैसारन वैली में हुए इस आतंकी हमले में लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों ने 25 पर्यटकों और एक स्थानीय कश्मीरी की हत्या कर दी थी। राष्ट्रीय जांच एजेंसी की प्रारंभिक रिपोर्ट में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस और लस्कर के बीच गठजोड़ की बात सामने आई है। भारत ने इस हमले के लिए पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया है, जबकि इस्लामाबाद ने इन आरोपों से इनकार किया है। हमले के बाद से दोनों देशों के बीच राजनयिक और सैन्य तनाव बढ़ गया है।

रणनीति

एक अंग्रेजी अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत के कड़े रुख और सैन्य कार्रवाई की आशंका के बीच पाकिस्तान ने एलओसी के पास अपने आतंकी प्रशिक्षण शिविरों और लॉन्च पैड्स को खाली कर दिया है। एजेंसियों से मिली ताजा जानकारी के अनुसार, पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठनों के दर्जनों आतंकी जो जम्मू-कश्मीर में घुसपैठ की तैयारी में लॉन्च पैड्स पर डटे थे, अब पीछे हट चुके हैं और पीओके या पाकिस्तान के अंदरूनी इलाकों में लौट गए हैं। खासकर जम्मू डिविजन के तीन प्रमुख लॉन्चपैड्स - शकरगढ़ (जो कठुआ के पास है), समहनी (नौशेरा के पास) और सुखमल (हीरानगर के पास) - में अप्रैल 22 से पहले लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और अन्य संगठनों के 10-12 आतंकी तैनात थे।

पाक का सीधा संबंध आया सामने

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) और अन्य सुरक्षा एजेंसियों की जांच में सामने आया है कि पहलगाम आतंकी हमले की साजिश में पाकिस्तान की अहम भूमिका रही है। हमले में शामिल पाकिस्तानी आतंकी हाशिम मूसा, पाकिस्तान सेना की स्पेशल फोर्स का पूर्व सैनिक था, जिसे आईएसआई ने लश्कर-ए-तैयबा को "उधार" दिया था ताकि वह कश्मीर में बाहरी नागरिकों और सुरक्षाबलों को निशाना बना सके। जांच में यह भी सामने आया है कि पाकिस्तान स्थित आतंकी मास्टरमाइंड्स कश्मीर में मौजूद आतंकियों और ओवरग्राउंड वर्कर्स से एक एन्क्रिप्टेड ऐप अल्ट्रा के जरिए संपर्क में हैं। यही ऐप त्राल में पहलगाम हमले के समय इस्तेमाल हुआ था। इलेक्ट्रॉनिक निगरानी में ऐसे कई चैट्स पकड़े गए हैं जिनमें कश्मीरी ओजीडब्ल्यू, पाकिस्तानी आतंकियों की पहलगाम में मौजूदगी और उन्हें मार्गदर्शन देने की बातें कर रहे हैं। अब तक एजेंसियों ने 15 स्थानीय ओजीडब्ल्यू को चिन्हित किया है जो इस साजिश से वाकिफ थे और आतंकियों की मदद की थी - जैसे उन्हें लॉजिस्टिक्स मुहैया कराना, इलाके की रेकी कराना और उन्हें छुपाने की व्यवस्था करना।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक - दीपक बुड़ाना द्वारा चैतन्य लोक ग्राफिक्स, एलयूएन-22, सेक्टर-एफ इंडस्ट्रियल एरिया, सांवेर रोड इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित एवं 66 बी शुभम पैलेस, छोटा बांगड़दा रोड इंदौर से प्रकाशित।
संपादक- दीपक बुड़ाना, आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594 (सभी विवादों का न्यायलय क्षेत्र इंदौर रहेगा)